फाल्गुन शुक्ल - 12 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 236 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 21-03-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

JPRPARK INFRA LLP
रेरा रजि. नं. RAJ/P/2024/2965
www.rera.rajasthan.gov.in

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना

मानसरोवर विस्तार
जयपुर में
आवासीय फ्लैट्स
के द्वितीय चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना-3A
के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं
रियल एस्टेट रेगुलेशन एक्ट में पंजीकृत आवासीय योजना

आवेदन की अंतिम तिथि
23 मार्च, 2024

1BHK पंजीकरण राशि ₹66,000
कुल राशि ₹23.5 लाख*

3BHK पंजीकरण राशि ₹96,000
कुल राशि ₹43 लाख*

जे पार्क
मानसरोवर विस्तार
जयपुर

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी
राजस्थानवासियों के लिए 2 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

संपर्क करें
9251625252, 8955008688
9057133344, 8955008687

आवेदन हेतु
www.cmjanaawas.com

जमीनी स्थिति ठीक नहीं, मंडी से नहीं लड़ूंगी लोकसभा चुनाव : कांग्रेस नेता प्रतिभा सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। कांग्रेस की हिमाचल प्रदेश इकाई की प्रमुख एवं मंडी से सांसद प्रतिभा सिंह ने बुधवार को घोषणा की कि उन्होंने लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है, क्योंकि जमीनी स्थिति ''ठीक नहीं'' है और पार्टी कार्यकर्ता निराश हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की पत्नी एवं लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह की मां प्रतिभा सिंह ने संवाददाताओं से कहा, मैंने अपना नाम वापस ले लिया है और (पार्टी) आलाकमान को बता दिया है कि मैं चुनाव नहीं लड़ूंगी और उस उम्मीदवार का पूरा समर्थन करूंगी जिसे पार्टी के केंद्रीय नेता उपयुक्त समझेंगे।

राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस के सामने पिछले महीने तब संकट खड़ा हो गया था जब विधानसभा चुनाव में जीत के लगभग 14 महीने बाद इसके छह विधायकों ने राज्यसभा चुनाव में राज्य से एकमात्र सीट के लिए हुए मतदान में भाजपा उम्मीदवार हर्ष महाजन के पक्ष में वोट डाला था।

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने भी राज्यसभा चुनाव के एक दिन बाद यह दावा करते हुए मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने की घोषणा की थी कि उन्हें अपमानित करने की कोशिश की गई है। इसके बाद केंद्रीय पार्टी

नेतृत्व ने उन्हें इस्तीफा वापस लेने के लिए मना लिया था।

प्रतिभा सिंह ने लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा करते हुए कहा, मैंने राज्य के हर क्षेत्र का व्यापक दौरा किया है और पाया है कि कोई भी कार्यकर्ता सक्रिय नहीं है और ऐसी स्थिति में सफलता मिलना मुश्किल है...आप सिर्फ सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास (एमपीएलएडी) योजना निधि बांटकर चुनाव नहीं जीत सकते। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के खिलाफ पहले लगाए गए आरोप को दोहराते हुए कहा कि यदि विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के लिए कड़ी मेहनत करने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां और महत्व दिया जाता, तो वे जमीनी स्तर पर सक्रिय होते और ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

प्रतिभा सिंह ने कहा, कार्यकर्ता किसी भी संगठन की रीढ़ होते हैं और मैंने मीडिया के माध्यम से भी सरकार से बार-बार कहा था कि पार्टी कार्यकर्ताओं को उचित महत्व देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पार्टी तभी चुनाव लड़ने की स्थिति में होगी जब कार्यकर्ताओं को सम्मान मिलेगा। कांग्रेस ने लगभग 14 महीने पहले राज्य में विधानसभा चुनाव जीता था।

कांग्रेस के छह विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के बाद रिक्त हुई इन सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव का जिक्र करते हुए प्रतिभा सिंह ने कहा कि सरकार के अस्तित्व के लिए उपचुनाव बहुत महत्वपूर्ण हैं और यदि वह मंडी संसदीय क्षेत्र तक ही सीमित रहेंगी तो वह राज्य इकाई अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पाएंगी और पार्टी उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रचार नहीं कर पाएंगी। कांग्रेस के छह विधायकों - राजिंदर राणा (सुजानपुर), इंदर दत्त लखनपाल (बड़सर), चैतन्य शर्मा (गगरेट), और देविंदर कुमार भुट्टो (कुटलैहड़), सुधीर शर्मा (धर्मशाला) और रवि ठाकुर (लाहौल और स्पीति) को कटौती प्रस्तावों और बजट के दौरान विधानसभा में उपस्थित रहने और सरकार के पक्ष में मतदान करने के लिए पार्टी व्हिप की अवहेलना करने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

प्रतिभा सिंह ने कहा, हमें कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात काम करना होगा। हम कार्यकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने और उन्हें पार्टी के हित में काम करने के लिए प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रहे हैं।

किरण रीजीजू ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरण रीजीजू ने बुधवार को केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार संभाल लिया।

इससे पहले, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। रीजीजू को मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

रीजीजू ने उन्हें अतिरिक्त जिम्मेदारी देने के लिए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है।

उन्होंने कहा, जहां हम भारत के लोगों की सेवा को मोदी जी के लिए लोगों का आशीर्वाद मांग रहे हैं, हम 'मोदी जी' के तीसरे

कार्यकाल में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और 2047 तक देश को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने के उनके लक्ष्य को पूरा करने के लिए एक भी क्षण बर्बाद नहीं करेंगे।

'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, मैंने औपचारिक रूप से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। मंत्रालय के सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

कांग्रेस में शामिल हुए पप्पू यादव, जाप का विलय किया

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व सांसद राजेश रंजन ऊर्फ पप्पू यादव बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए और अपनी जन अधिकार पार्टी (जाप) का विलय कर दिया। यादव और उनके पुत्र सार्थक ने कांग्रेस मुख्यालय में देश की सबसे पुरानी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस के बिहार प्रभारी मोहन प्रकाश और पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने पार्टी में उनका स्वागत किया। यादव ने कहा, मेरी विचारधारा हमेशा कांग्रेस की विचारधारा के करीब रही है...राहुल गांधी जी संघर्ष के प्रतीक हैं। उन्होंने देश के लिए एक उम्मीद जगाई है। उन्होंने कहा, कांग्रेस और लालू यादव मिलकर 2024 जीतेंगे और 2025 जीतेंगे।

झारखंड के राज्यपाल राधाकृष्णन ने तेलंगाना के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया

हैदराबाद/भाषा। झारखंड के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को यहां तेलंगाना के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया। तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे ने यहां राजभवन में आयोजित समारोह में राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, कैबिनेट मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति शरीक हुए। तमिलिसाई सौंदरराजन के इस्तीफे के बाद राधाकृष्णन को तेलंगाना के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। पदभार ग्रहण करने के बाद अपने संदेश में राधाकृष्णन ने उन्हें तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में सेवा करने का अवसर देने के लिए राष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया।

लोकसभा सदस्य रहे राधाकृष्णन दो जून 2014 को अस्तित्व में आए तेलंगाना के तीसरे राज्यपाल हैं। राधाकृष्णन से पहले तमिलिसाई सुंदरराजन और ईएसएल नरसिम्हन राज्य के राज्यपाल रह चुके हैं। संयोगवश, तीनों का संबंध तमिलनाडु से है।

नौकरियों के सृजन के लिए भारत को लगातार 8% की वार्षिक वृद्धि दर रखने की जरूरत : सुब्रमण्यम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत को गरीबी और असमानता को कम करने तथा पर्याप्त संख्या में नौकरियों के सृजन के लिए निरंतर आधार पर आठ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) में भारत के कार्यकारी निदेशक कृष्णमूर्ति वेंकट सुब्रमण्यम ने यह बात कही है।

भारतीय अर्थव्यवस्था 2023 की अंतिम तिमाही में उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यह पिछले डेढ़ साल में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। ओएमआई फाउंडेशन के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार सुब्रमण्यम ने कहा, भले ही हम सात प्रतिशत की दर से बढ़ें, हमें इससे संतुष्ट नहीं होना चाहिए। हमें आठ प्रतिशत और उससे अधिक की दर हासिल करने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि देश को बहुत सारा बुनियादी ढांचा बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आठ प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने से हमारे पास बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा करने की क्षमता होगी। इससे गरीबी और असमानता घटेगी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर-दिसंबर में वृद्धि दर पिछले तीन वर्षों की 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर से अधिक है। इसके चलते चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत करने में मदद मिली है। भारतीय रिजर्व बैंक ने घरेलू खपत में सुधार और निजी पूंजीगत व्यय में वृद्धि के आधार पर अगले वित्त वर्ष में वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर लोगों ने निकाला मार्च

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करगिल/भाषा। लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग के समर्थन में हजारों लोगों ने बुधवार को मार्च निकाला जिसके कारण दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे।

पर्यावरणविद सोनम वांगचुक केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा दिए जाने की मांग को लेकर पिछले दो सप्ताह से भूख हड़ताल पर बैठे हैं।

करगिल डेमोक्रेटिक एलायंस (केडीए) के आह्वान के जवाब में बड़ी संख्या में लोगों ने फातिमा चौक से हुसैनी पार्क तक एक मार्च निकाला। मुख्य बाजार में प्रदर्शन किया और लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और इसे छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग करते हुए नारे लगाए। एपेक्स बॉडी, लेह (एबीएल) और केडीए विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों के अलग-अलग समूह संयुक्त रूप से विभिन्न मांगों के लिए आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं।

दोनों समूह पिछले चार वर्षों से लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और इसे संविधान की छठी अनुसूची के तहत शामिल करने की मांग कर रहे हैं।

बाजार में 'खराब' गुणवत्ता वाली चाय की बाढ़ छोटे उत्पादक चिंतित

कोलकाता/भाषा। छोटे चाय उत्पादकों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ इंडियन स्मॉल टी ग्रोअर्स एसोसिएशन (सीआईएसटीए) ने बाजार में कथित तौर पर खराब गुणवत्ता वाली चाय की बाढ़ पर चिंता व्यक्त की है और इस संबंध में चाय बोर्ड के हस्तक्षेप का आग्रह किया है। चाय बोर्ड के चेयरमैन ए एस भाटिया को लिखे एक पत्र में सीआईएसटीए के अध्यक्ष बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती ने कहा कि चाय पीने के स्वास्थ्य लाभों पर केंद्रित एक सामान्य अभियान उन युवाओं के बीच खपत को बढ़ावा देने के लिए चलाया जाना चाहिए जो शीतल पेय और कॉफी पीने के लिए अधिक आकर्षित होते हैं।

एसोसिएशन ने पत्र में कहा, हमने देखा है कि घरेलू बाजार में खराब गुणवत्ता वाली चाय की बाढ़ आ गई है और इन्हें बहुत कम कीमत पर बेचा जा रहा है। खराब गुणवत्ता वाली चाय का निर्माण और पैकेजिंग तुरंत बंद की जानी चाहिए।

महिलाओं की कुल आबादी में से 37 प्रतिशत रोजगार में : रिपोर्ट

मुंबई/भाषा। भारत में लगभग 69.2 करोड़ महिलाओं की कुल आबादी में से 37 प्रतिशत सक्रिय रूप से रोजगार में हैं। प्रतिभा समाधान प्रदाता करियरनेट की 'भारत में महिला रोजगार की स्थिति' रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे शहर महिलाओं को रोजगार देने के मामले में शीर्ष पर हैं। इसमें कहा गया कि 2023 में कनिष्ठ पेशेवर भूमिकाओं और कार्यकारी बोर्ड में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में पिछले वर्ष की तुलना में दो से पांच प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

रिपोर्ट कहती है कि 2023 में शिक्षण संस्थानों से भर्ती होने वाले नए कर्मियों में 40 प्रतिशत महिलाएं हैं। इसमें कहा गया कि 0-3 वर्ष और 3-7 वर्ष का अनुभव रखने वाली महिला अभ्यार्थियों की संख्या उनके संबंधित कार्यक्षेत्र की कुल नियुक्तियों में 20-25 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) को छोड़कर अधिकांश शहरों में महिलाओं के नियुक्ति अनुपात में मामूली वृद्धि हुई है। दिल्ली-एनसीआर में गिरावट देखी गई है।

शाह और राज ठाकरे के बीच सकारात्मक रही बातचीत, जल्द तस्वीर साफ होगी : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के बीच बातचीत सकारात्मक रही और अगले कुछ दिनों में तस्वीर साफ हो जाएगी। राज ठाकरे ने मंगलवार को दिल्ली में शाह से मुलाकात की थी, दोनों नेताओं के बीच हुई यह मुलाकात इस बात का संकेत है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में अपने गठबंधन को मजबूत करने के मद्देनजर आगामी लोकसभा चुनाव में मनसे के साथ गठबंधन करने पर विचार कर रही है।

फडणवीस ने शाह और राज ठाकरे के बीच हुई इस मुलाकात को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब में कहा, राज ठाकरे ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की। इस पर तुरंत कोई टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। अगले कुछ दिनों में तस्वीर साफ हो जाएगी और हम आपको विस्तार से जानकारी देंगे। इस बीच, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता बाला नंदगांवकर ने कहा कि पार्टी राज ठाकरे के निर्देश पर लोकसभा चुनाव लड़ेगी।

राज ठाकरे ने वर्ष 2006 में अविभाजित शिवसेना से अलग होकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना नामक पार्टी की स्थापना की थी।

यदि, भाजपा और मनसे के बीच गठबंधन पर मुहर लग जाती है, तो मनसे को मुंबई से चुनाव लड़ने के लिए एक सीट दिए जाने की संभावना है।

'फ्रंट रनिंग' मामले में योगेश गर्ग की सेवाएं समाप्त की गईं : एलआईसी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने योगेश गर्ग की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। गर्ग के खिलाफ भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने फ्रंट रनिंग मामले में एक पुष्टिकरण आदेश जारी किया था। एलआईसी ने बुधवार को बयान में यह जानकारी दी।

फ्रंट-रनिंग से तात्पर्य शेयर बाजार में एक गैरकानूनी व्यवहार से है, जिसमें कोई इकाई ब्रोकर या विश्लेषक से पहले से मिली सूचना के आधार पर शेयर कारोबार करती है। इसमें संबंधित इकाई को सूचना ग्राहकों से पहले उपलब्ध हो जाती है।

सेबी ने मंगलवार को सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी के फ्रंट-रनिंग सौदों से संबंधित मामले में एलआईसी के एक कर्मचारी सहित पांच इकाइयों को पूंजी बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। इस आदेश के बाद एलआईसी ने बयान में कहा, सूचित किया जाता है कि एलआईसी के प्रशासनिक कैडर के अधिकारी योगेश गर्ग की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं।

देश में 5जी ग्राहक 4जी की तुलना में 3.6 गुना अधिक डेटा का इस्तेमाल करते हैं : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में 5जी सेवाओं का इस्तेमाल करने वाले मोबाइल ग्राहक 4जी उपभोक्ताओं की तुलना में मोबाइल डेटा का इस्तेमाल 3.6 गुना अधिक कर रहे हैं। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी नोकिया की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। देश में 5जी सेवाओं की शुरुआत अक्टूबर, 2022 में हुई थी।

नोकिया की बुधवार को जारी 'मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स' रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में कुल डेटा ट्रैफिक में 5जी का योगदान 15 प्रतिशत रहा है। रिपोर्ट कहती है, 5जी ग्राहक 4जी की तुलना में लगभग 3.6 गुना अधिक मोबाइल डेटा ट्रैफिक का उपयोग कर रहे हैं। 2023 में उपयोगकर्ताओं ने 17.4 एक्साबाइट प्रति माह की खपत की। पिछले पांच साल की तुलना में डेटा इस्तेमाल की सालाना वृद्धि 26 प्रतिशत रही है। एक एक्साबाइट एक अरब गीगाबाइट (जीबी) के बराबर होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में डेटा इस्तेमाल में बढ़ोतरी में 5जी ने उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। 2023 में कुल डेटा ट्रैफिक में 5जी का हिस्सा 15 प्रतिशत रहा। इसमें कहा गया है कि देश में 5जी उपकरण पारिस्थतिकी तंत्र तेजी से बढ़ रहा है। कुल सक्रिय 79.4 करोड़ 4जी उपकरणों में से 17 प्रतिशत यानी 13.4 करोड़ अब 5जी सक्षम हैं। नोकिया इंडिया के विपणन और कॉरपोरेट मामलों के प्रमुख अमित मारवाह ने कहा, भारत में डेटा की खपत साल-दर-साल आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 17.4 एक्साबाइट प्रतिमाह हो गई है। यह दुनिया में सबसे अधिक डेटा खपत में से है। औसतन एक व्यक्तिगत ग्राहक प्रतिमाह 24 जीबी डेटा का उपभोग कर रहा है।

महिला डॉक्टर ने अटल सेतु से छलांग लगाई, सुसाइड नोट मिला

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक महिला डॉक्टर ने दक्षिण मुंबई को नवी मुंबई से जोड़ने वाले सबसे लंबे समुद्री पुल अटल सेतु से अरब सागर में कथित तौर पर छलांग लगा दी जिससे उसकी मौत होने की आशंका है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। नवी मुंबई के न्हावाशेवा पुलिस थाना के वरिष्ठ निरीक्षक राजेंद्र कोटे ने कहा कि यह घटना सोमवार को हुई, लेकिन ठाणे जिले के भिवंडी की रहने वाली 38 वर्षीय महिला का शव अबतक नहीं मिला है।

अटल सेतु को आधिकारिक रूप से अटल बिहारी वाजपेयी सेवरी-न्हावाशेवा अटल सेतु के रूप में जाना जाता है। इसे मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (एमटीएचएल) भी कहा जाता है और इसका उद्घाटन इसी साल जनवरी में किया गया था। कोटे ने बताया, 18 मार्च की दोपहर महिला टैक्सी में सफर कर रही थी। जब टैक्सी अटल सेतु पर पहुंची तो उसने चालक से गाड़ी वहीं रोकने को कहा। फिर वह वाहन से बाहर निकली और पुल से छलांग लगा दी। टैक्सी चालक ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को ढूंढने के लिए अभियान चलाया।

धनशोधन मामलों में बिना सुनवाई के आरोपियों को हिरासत में रखने पर न्यायालय ने ईडी की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आरोपी के स्वत: जमानत पाने के अधिकार को खत्म करने के लिए धन शोधन मामलों में पूरक आरोपपत्र दाखिल करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रयासों की निंदा करते हुए उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि किसी आरोपी को बिना मुकदमे के हिरासत में रखना कैद के समान है जो स्वतंत्रता में बाधक है।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने झारखंड में कथित अवैध खनन से उत्पन्न धन शोधन मामले में ईडी द्वारा चार पूरक आरोपपत्र दाखिल करने पर आपत्ति जताई। इनमें से नवीनतम पूरक आरोपपत्र एक मार्च 2024 को दाखिल किया गया। शीर्ष अदालत झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कथित सहयोगी प्रेम प्रकाश की स्वत: (डिफॉल्ट) जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। प्रकाश को अगस्त, 2022 में छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया था। एजेंसी द्वारा दावा किया था कि रांची में उनके घर पर दो एके-47 राइफलें, 60 कारतूस और दो मैगजीन मिली थीं। उन पर धनशोधन व शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया था। पीठ ने ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा कि चार पूरक आरोपपत्र दाखिल होने के बावजूद मामले में जांच जारी है। पीठ ने राजू से कहा, हम आपको (ईडी को) नोटिस दे रहे हैं। (कानून के तहत) मामले की जांच पूरी हुए बिना आप किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं कर सकते। मुकदमा शुरू हुए बिना किसी व्यक्ति को हिरासत में नहीं रखा जा सकता। यह कैद के समान है और एक व्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रभावित करता है। कुछ मामलों में हमें इस मुद्दे को सुलझाना होगा। न्यायमूर्ति ने कहा कि किसी आरोपी को पूरक आरोपपत्र दायर करके स्वत: जमानत के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता 18 महीने से सलाखों के पीछे है और एक के बाद एक पूरक आरोपपत्र दाखिल किए जा रहे हैं, जिससे अंततः मुकदमे में देरी हो रही है। पीठ ने राजू से कई सवाल पूछे जिन्होंने सवालों का जवाब देने के लिए एक महीने का समय मांगा और कहा कि आरोपी एक प्रभावशाली व्यक्ति है और अगर उसे जमानत पर रिहा किया तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है और सबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकता है।

किसी चुनाव को हल्के में नहीं लेते, लोकसभा चुनाव के लिए तैयार : उमर

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को दावा किया कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव में पार्टी को हराने के लिए पूरी ताकत लगा रही है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस किसी भी चुनाव को हल्के में नहीं लेती और लोकसभा चुनाव की तैयारी कर रही है। उन्होंने यहां पार्टी कार्यालय से रवाना होते समय पत्रकारों से कहा, कोई भी चुनाव जीतना आसान नहीं होता। हर चुनाव में अलग-अलग परिस्थितियां होती हैं। इस बार केंद्र सरकार पूरी ताकत के साथ हमें हराने की कोशिश में लगी हुई है। उन्होंने कहा, पहले के चुनावों में बंदूकों का इस्तेमाल होता था।

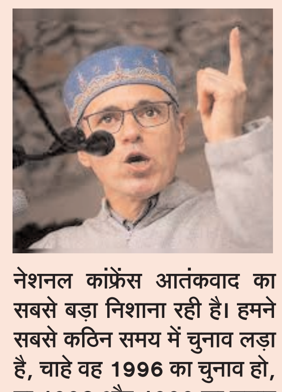

नेशनल कांफ्रेंस आतंकवाद का सबसे बड़ा निशाना रही है। हमने सबसे कठिन समय में चुनाव लड़ा है, चाहे वह 1996 का चुनाव हो, या 1998 और 1999 का चुनाव जब मैंने मजबूत बहिष्कार के आह्वान के बावजूद चुनाव लड़ा था। उन्होंने कहा, हम किसी भी चुनाव को हल्के में नहीं लेते, हम अपनी तैयारी कर रहे हैं और हमें जीत की उम्मीद है।

■ फाल्गुन शुक्ल - 12 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 236 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 21-03-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा को यूपी में 2014 से अधिक सीट मिलेंगी : शाह

6 पाक से क्यों खफा हैं इस्लामिक मुल्क?

7 राष्ट्र धर्म से बड़ा कोई धर्म नहीं : दाती महाराज

फर्स्ट टेक

वियतनाम के राष्ट्रपति वो वान थुओंग ने इस्तीफा दिया

हनोई/एपी। वियतनाम के राष्ट्रपति वो वान थुओंग ने एक साल से अधिक समय तक पद पर रहने के बाद इस्तीफा दे दिया। सरकारी मीडिया वीएन एक्सप्रेस ने यह खबर दी। उनका इस्तीफा भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान के तेज होने के बीच आया है। इस अभियान ने कम्युनिस्ट पार्टी को शीर्ष स्तर तक प्रभावित किया है। थुओंग (54) मार्च 2023 में राष्ट्रपति बने थे। इससे दो महीने पहले उनके पूर्ववर्ती गुयेन जुआन फुक ने महामारी के दौरान भ्रष्टाचार के लिए राजनीतिक जिम्मेदारी लेने के बाद इस्तीफा दे दिया। 1970 के दशक के मध्य में आधुनिक वियतनाम के युद्ध से उभरने के बाद वह सबसे कम उम्र के राष्ट्रपति थे। वियतनाम में राष्ट्रपति का पद काफी हद तक औपचारिक है और देश के राजनीतिक पदानुक्रम में यह तीसरे स्थान पर आता है।

बुल्गारिया के राष्ट्रपति ने अपहृत पोत को मुक्त कराने के लिए भारत का आभार जताया

नई दिल्ली/भाषा। बुल्गारिया के राष्ट्रपति रूमेन राडेव ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बुधवार को फोन कर अपहृत बुल्गारियाई जहाज और उसके चालक दल को भारतीय नौसेना द्वारा मुक्त कराए जाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। राष्ट्रपति भवन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बुल्गारिया के राष्ट्रपति रूमेन राडेव का फोन आया था जिस दौरान उन्होंने अपहृत बल्गेरियाई जहाज एमवी रुएन और उसके चालक दल में शामिल सात बुल्गारियाई नागरिकों सहित अन्य को भारतीय नौसेना द्वारा मुक्त कराने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली/भाषा। खेल और युवा कार्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि भारत 2030 युवा ओलंपिक और 2036 ओलंपिक की मेजबानी की कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। सीएनएन . न्यूज18 के 'राइजिंग भारत' सम्मेलन में ठाकुर ने कहा कि मेजबानी की दावेदारी के लिए आमंत्रण के साथ ही भारत इसकी मेजबानी के लिए तैयार होगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, भारत 2030 युवा ओलंपिक और 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, हम दुनिया की पांचवें सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और हमारे पास युवाशक्ति है। खेलों के लिए भारत से बड़ा बाजार नहीं है। उन्होंने बताया कि भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट देखने ब्रिटेन से करीब 4000 क्रिकेटप्रेमी धर्मशाला पहुंचे थे।

21-03-2024 सूर्यास्त	22-03-2024 सूर्योदय
6:30 बजे	6:22 बजे

BSE	NSE
72,101.69	21,839.10
(+89.64)	(+21.65)

सोना	चांदी
6,807 रु.	76,466 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भारत नीति

हम नहीं समर्थक हिंसा के,
आदर्श हमारे रहे बुद्ध।
हैं विश्व शांति के हम प्रहरी,
मन वचन कर्म से सदा शुद्ध।
जो मानवता पर घात करे,
उन दुष्टों पर ही हुए क्रुद्ध।
योद्धा हैं सबल शक्ति से युत,
पर नहीं चाहते कभी युद्ध।।

नेहरू के दौर को 'महान' मानने की सोच से बाहर निकलने की जरूरत : जयशंकर

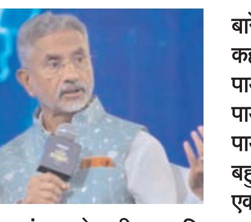

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली सरकार के कुछ प्रमुख निर्णयों की आलोचना करते हुए बुधवार को कहा कि इस सोच से बाहर निकलने की जरूरत है कि 1946 से शुरू हुआ दौर ''महान वर्षों'' का था और देश ने इस दौरान शानदार प्रदर्शन किया।

'न्यूज18 राइजिंग भारत समिट' में एक सत्र के दौरान एक सवाल पर जयशंकर ने कहा कि शुरुआती वर्षों में विदेश नीति काफी हद तक ''नेहरूवादी वैचारिक बुलबुला'' थी और ''इसके अवशेष आज भी जारी हैं।

जयशंकर ने जी20 की अध्यक्षता के दौरान भारत की भूमिका, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) को लेकर आलोचना, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने तथा वर्तमान संदर्भ और भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत-चीन और भारत-पाकिस्तान संबंधों जैसे कई मुद्दों पर बात की।

आजादी के बाद शुरुआती वर्षों में सरकार की विदेश नीति के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा, आपने पाकिस्तान को गलत पाया, आपने चीन को गलत पाया, आपने अमेरिका को सही पाया और हमारी विदेश नीति बहुत अच्छी थी। इसलिए, इसे एक तरफ रख दें। उन्होंने कहा, मैं 2024 के फायदे के लिए आज यह नहीं कह रहा। 1954 या 1950 पर गौर करें। मैं कहता हूं कि 1948, 1949, 1950, 1951, 1952 में जब निर्णय लिए जा रहे थे, तब कोई खड़ा होकर कह रहा था 'श्री नेहरू, आप क्या कर रहे हैं, क्या आपने इसके इस पहलू पर ध्यान दिया है?' ये नेहरू के समकालीन थे जो नेहरू द्वारा उस समय लिए जा रहे निर्णयों पर सवाल उठा रहे थे।

श्रीकृष्ण जन्म भूमि विवाद के मुख्य पक्षकार को मुकदमा वापस लेने की धमकी मिली

कौशांबी (उप्र)/भाषा। श्री कृष्ण जन्मभूमि विवाद मामले में मुख्य पक्षकार आशुतोष पांडेय को फोन पर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने दर्ज प्राथमिकी के हवाले से बताया कि आशुतोष पांडे मामले की पैरवी के लिए मथुरा से प्रयागराज जा रहे थे और रास्ते में रात 12 बजकर 10 मिनट पर उनके मोबाइल नंबर पर एक व्हाट्सऐप कॉल आया। उसने बताया कि फोन पर उन्हें बम से उड़ाने की धमकी दी गई और देश के प्रधानमंत्री तथा हिंदू देवी देवताओं के लिए अपशब्द भी कहे। इसके बाद आशुतोष पांडेय ने कौशांबी जिले के सैनी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पांडेय श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट, मथुरा के अध्यक्ष भी हैं। सिराथू के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अवधेश कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले में जांच शुरू कर दी गई है।

आईएसआईएस इंडिया प्रमुख समेत दो लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। 'आईएस-आईएस इंडिया' के प्रमुख हैरिस फारूकी और उसके एक सहायक को बांग्लादेश से सीमा पार कर असम के धुबरी में पहुंचने पर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक बयान में असम पुलिस के प्रमुख जनसंपर्क अधिकारी प्रणवज्योति गोस्वामी ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने दोनों को धर्मशाला क्षेत्र से पकड़ा है और बाद में उन्हें गुवाहाटी में एसटीएफ कार्यालय लाया। उन्होंने कहा, '' उन दोनों की पहचान पक्की है और यह पाया गया है कि आरोपी हैरिस फारूकी उर्फ हैरिस अजमल फारूकी (देहरादून के चकराता का निवासी) भारत में आईएसआईएस का प्रमुख है।''

बीएलए ने किया पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट में हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

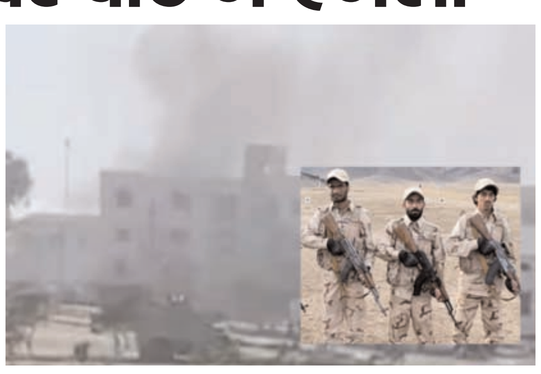

कराची/भाषा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत स्थित ग्वादर बंदरगाह प्राधिकरण परिसर में बुधवार को भारी हथियारों से लैस बलूच उग्रवादियों के हमले को नाकाम करते हुए सुरक्षा बलों ने सात उग्रवादियों को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अलगाववादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) बलूचिस्तान में चीन के निवेश का विरोध करता है, और चीन एवं पाकिस्तान पर संसाधन संपन्न प्रांत के शोषण का आरोप लगाता है। ग्वादर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोहैब मोहसिन ने मीडिया को बताया कि ''सात हमलावर मारे गए।''

मकरान डिवीजन के आयुक्त सईद अहमद उमरानी ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि हमलावर ग्वादर बंदरगाह प्राधिकरण की इमारत में घुसने का प्रयास कर रहे थे। इससे पहले, स्थानीय मीडिया की खबरों में कहा गया कि सुरक्षा बलों के अभियान में आठ उग्रवादी मारे गये। अभी तक किसी सुरक्षाकर्मी या आम नागरिक के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है।

बदायूं में बच्चों की हत्या का आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्त से दूर

एहतियात के तौर पर सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बदायूं/वार्ता। उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले के सिविल लाइंस क्षेत्र में मंगलवार देर शाम मामूली विवाद में दो मासूम बच्चो की कुल्हाड़ी से हत्या करने का एक आरोपी फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से दूर है। एक अन्य को पुलिस ने देर रात ही एक सशस्त्र मुठभेड़ में मार गिराया था।

पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि पड़ोसी के दो बच्चों की धारदार हथियार से हत्या करने के बाद भाग रहे साजिद को शेखूपुर के जंगलों में जवाबी फायरिंग के दौरान मार गिराया था जबकि उसका भाई जावेद फरार हो गया था जिसकी तलाश के लिये पुलिस की पांच टीम का गठन किया गया है।

जघन्य वारदात के बाद दो समुदायों के बीच उपजे असंतोष के मद्देनजर एहतियात के तौर पर सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

'उसे अपने किए की सही सजा मिली'

एक आरोपी साजिद की मुठभेड़ में मौत पर उसकी मां ने कहा

बदायूं (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के बदायूं में घर में घुसकर दो नाबालिग बच्चों की नृशंस हत्या करने वाले आरोपी की पुलिस मुठभेड़ में मौत पर उसकी मां ने कहा कि उसने जो गलत किया, उसका ''सही परिणाम'' उसे मिला।

आरोपी साजिद की मां नाजरीन ने 'पीटीआई वीडियो' को बताया, मुझे नहीं पता कि उनके दिमाग में क्या चल रहा था। उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। जिन बच्चों के साथ यह घटना घटी, उसका मुझे बेहद अफसोस है। पुलिस मुठभेड़ के बारे में पूछे जाने पर नाजरीन कहा, उन्होंने जो गलत किया, उसका सही परिणाम उन्हें मिला।

एआई में दुनिया की अगुवाई करेगा भारत

स्टार्टअप वैश्विक चुनौतियों के लिए भारतीय समाधान पेश करें : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को युवा उद्यमियों और स्टार्टअप से दुनियाभर में आ रही चुनौतियों पर 'वैश्विक अनुप्रयोगों के लिए भारतीय समाधान' पर काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत कृत्रिम मेधा (एआई) क्षमता में दुनिया का नेतृत्व करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने यहां 'स्टार्टअप महाकुंभ' को संबोधित करते हुए कहा कि एआई, सेमीकंडक्टर और क्वॉन्टम पर पहले शुरू किए गए तीन मिशन युवाओं के लिए रोजगार और वैश्विक निवेशकों के लिए निवेश के अवसर पैदा करेंगे। उन्होंने कहा, हम एआई प्रौद्योगिकी के एक नए युग में हैं और दुनिया मानती है कि एआई में भारत का पलड़ा भारी रहेगा। अब यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है कि हम इस अवसर को जाने न दें। उन्होंने कहा कि एआई युवा नवप्रवर्तकों और वैश्विक निवेशकों के लिए असीमित संभावनाएं प्रदान करता है। उन्होंने कहा, एआई क्षमताओं का नेतृत्व भारत के हाथों में रहेगा और रहना चाहिए। मुझे विश्वास है कि 'वैश्विक अनुप्रयोगों (एप्लिकेशन) के लिए भारतीय समाधान' की धारणा एक ताकत होगी...भारतीय नवप्रवर्तकों के समाधान कई देशों की समस्याओं का समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि एआई उद्योग के आने से युवा नवप्रवर्तकों के लिए कई नौकरियां पैदा हो रही हैं और वैश्विक निवेशकों के लिए निवेश के अवसर पैदा हो रहे हैं।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के सभी प्रयासों का समर्थन करता है भारत : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बात की और कहा कि भारत रूस-यूक्रेन संघर्ष के शीघ्र और शांतिपूर्ण समाधान के सभी प्रयासों का समर्थन करता है।

टेलीफोन पर हुई बातचीत में दोनों देशों के बीच संघर्ष पर चर्चा करते हुए मोदी ने भारत के जन-केंद्रित दृष्टिकोण को दोहराया और आगे के रास्ते के रूप में बातचीत और कूटनीति का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की थी और उनसे भी यही अपील की।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ भारत-यूक्रेन साझेदारी को मजबूत करने पर अच्छी बातचीत हुई। शांति के सभी प्रयासों और जारी संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के लिए भारत के लगातार समर्थन से अवगत कराया। भारत अपनी जन-केंद्रित दृष्टिकोण द्वारा निर्देशित मानवीय सहायता प्रदान करना जारी रखेगा।

'राजनीति में कुछ को बार-बार लॉन्च करना पड़ता है'

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीति में कुछ को बार-बार लॉन्च करने की जरूरत पड़ती है जबकि स्टार्ट-अप की दुनिया में जब कोई एक असफल होता है तो इस स्थिति में दूसरा रास्ता अख्तियार कर लेता है। मोदी ने यहां स्टार्ट-अप महाकुंभ में किसी का नाम लिए बिना स्टार्ट-अप और राजनीति की तुलना करते हुए कहा, स्टार्ट-अप लॉन्च तो बहुत लोग करते हैं, राजनीति में तो ज्यादा... और बार-बार लॉन्च करना पड़ता है। आप में और उनमें फर्क ये है कि आप लोग प्रयोगशील होते हैं, एक अगर लॉन्च नहीं हुआ तो तुरंत दूसरे पर चले जाते हैं। मोदी ने लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने और एक अप्रैल, 2024 से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए पूर्ण बजट पेश करने का विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि सामान्य स्थिति में कारोबारी चुनाव संपन्न होने तक बड़े आयोजनों को टाल देते हैं लेकिन आम चुनावों की घोषणा के कुछ दिन बाद तीन दिवसीय महाकुंभ में स्टार्ट-अप उद्यमियों और उस पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े लोगों का विशाल जमावड़ा आने वाली चीजों का संकेत है।

खाटू नगर भ्रमण पर निकले बाबा श्याम

- एकादशी पर निकली बाबा श्याम की झांकी
- रथ खींचने में श्रद्धालुओं में मची होड़
- एकादशी पर लगभग 7 लाख लोगों ने किए बाबा के दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खाटू श्याम। सीकर जिले में खाटूश्यामजी का 11 दिवसीय वार्षिक फाल्गुनी लक्खी मेला आज पूरे परवान पर है। फाल्गुन एकादशी होने के कारण बुधवार को खाटूश्यामजी का मुख्य मेला है। बाबा खाटू श्याम की दोपहर 12:15 बजे मुख्य महंत मोहनदासजी महाराज सहित मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने महाआरती की। महाआरती के बाद बाबा श्याम रथ में सवार होकर खाटू नगरी के भ्रमण पर निकले। श्याम बाबा की सवारी पूरे खाटू नगरी में मुख्य मार्ग से होते हुए वापस कबूतरिया चौक पहुंची।

7 लाख से ज्यादा लोग पहुंचे खाटू

बाबा श्याम के नगर भ्रमण पर लाखों की तादात में श्याम भक्तों ने नीले घोड़े पर असवार बाबा श्याम के दीदार किए। मेले व रथ यात्रा के लिए प्रसासन व मंदिर कमेटी की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। पूरे रास्ते पर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात रहे। रथ यात्रा के दौरान भीड़ को काबू करने के लिए पुलिसकर्मियों ने कई जगह हल्का बल प्रयोग भी किया। आज बाबा का मुख्य मेला होने के कारण करीब 7 लाख से अधिक श्याम भक्त बाबा श्याम के दर्शन करने बाबा श्याम की नगरी खाटू पहुंचे हैं। आज श्याम भक्त बाबा के दीदार कर रहे हैं तो वहीं कल सूरजगढ़ के निशान के अर्पण के साथ खाटू मेले का समापन होगा।

रंग बिरंगें फूलों से हुआ विशेष श्रृंगार

श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि आज बाबा की एकादशी होने के कारण बाबा का रंग बिरंगें फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया है। ड्राई फ्रूट की माला प्रभु को पहनाई गई। बाबा श्याम आज रथ में सवार होकर खाटू नगर भ्रमण पर निकले हैं। जिन्होंने बाबा के लक्खी मेले के दौरान दर्शन नहीं किए थे उन सब ने भी बाबा के दर्शन किए हैं। मंदिर कमेटी अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने मेले की व्यवस्थाओं को लेकर कहा, 'मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने के कारण बीते दिन से ही लखदातार ग्राउंड शुरू कर दिया गया है। अगर इस तरह की और जगह मिल जाए तो उसे भी शानदार डवलप कर तैयार किया जाएगा, जिससे खाटू आने वाले श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन करने में काफी सुविधा मिल जाएगी।'

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राजस्थान में शुष्क दिवस घोषित

जयपुर। राजस्थान सरकार ने लोकसभा चुनाव-2024 के संबंध में निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार राज्य में शुष्क दिवस की घोषणा की है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि वित्त (आबकारी) विभाग की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किया गया है, जिसके अनुसार 19 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के मतदान के लिए 17 अप्रैल की शाम छह बजे से 19 अप्रैल 2024 को मतदान समाप्ति तक राज्य में शुष्क दिवस रहेगा। पहले चरण के तहत राज्य में 12 लोकसभा क्षेत्र श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर में मतदान होगा। गुप्ता ने बताया कि 26 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान एवं बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव के लिए 24 अप्रैल की शाम छह बजे से 26 अप्रैल को मतदान समाप्ति तक राज्य में शुष्क दिवस रहेगा।

राजस्थान में पहले चरण के मतदान के लिए होम वोटिंग पांच अप्रैल से शुरू होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा चुनाव-2024 के तहत राजस्थान में पहले चरण के मतदान के लिए घर से मतदान करने की सुविधा (होम वोटिंग) पांच अप्रैल से होगी जबकि इस तरह के मतदान के लिए पंजीकरण 26 मार्च तक करवाया जा सकेगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में 19 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के मतदान के लिए 'होम वोटिंग' के लिए पंजीकरण शुरू हो चुका है, जो 26 मार्च तक चलेगा।

इसी प्रक्रिया के अनुसार, निर्वाचक अधिकारी 'होम वोटिंग' का विकल्प चयन करने वाले मतदाताओं की सूची सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को एक अप्रैल तक उपलब्ध कराएगा जिसके बाद 'होम वोटिंग' के लिए विशेष मतदान दल गठित कर उनके प्रशिक्षण की सभी प्रक्रिया चार अप्रैल तक पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने बताया कि ये विशेष टीम राजनीतिक दलों तथा उम्मीदवारों की मौजूदगी में पंजीकृत मतदाताओं के घर पहुंचकर पोस्टल बैलेट के जरिए मतदान करवाएंगे।

गुप्ता ने बताया कि 'होम वोटिंग' के लिए मतदान प्रक्रिया पांच अप्रैल से शुरू होकर 14 अप्रैल तक चलेगी। किसी कारण से 'होम वोटिंग' के लिए मतदाता के अनुपस्थित या वंचित रह जाने पर दूसरा दौर 15 से 16 अप्रैल के बीच होगा। उन्होंने बताया कि राजस्थान निर्वाचन विभाग समावेशी एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग श्रेणी के विशेष योग्यजन मतदाताओं के लिए राज्य में पहली बार लोकसभा आम चुनावों में 'होम वोटिंग' की पहल की गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी क्षेत्रों में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा 'होम वोटिंग' के लिए इच्छुक पात्र मतदाताओं के पंजीकरण का कार्य किया जाएगा और लोकसभा क्षेत्रों के लिए पात्रों के नाम तय हो जाने के बाद घर-घर जाकर मतदान करवाया जाएगा।

राजस्थान में पिछले साल विधानसभा चुनाव के दौरान यह नवाचार सफलतापूर्वक किया गया, जिसमें पंजीकृत 61,022 पात्र मतदाताओं में से लगभग 99 प्रतिशत ने अपने घर पर मतदान करने की सुविधा का लाभ लिया। अब राज्य में लोकसभा चुनाव-2024 के दौरान भी पहली बार यह सुविधा दी जा रही है।

वाजपेयी, जसवंत से बड़े नहीं मोदी और जोशी के चेहरे : आंजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़। राजस्थान की चित्तौड़गढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार उदयलाल आंजना ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार चंद्रप्रकाश जोशी पर तीखा हमला करते हुये कहा है कि न तो मोदी का चेहरा अटल बिहारी वाजपेयी से बड़ा है और न ही प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी का चेहरा पूर्व केन्द्रीय मंत्री जसवंत सिंह से बड़ा है।

आंजना ने यहां जिला कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस समय कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता 1998 की तरह एकजुट हैं, जब उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह को हराया था, साथ ही उन्होंने मोदी पर भी हमला किया कि जोशी मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ रहे हैं लेकिन वह अटल बिहारी वाजपेयी से बड़े चेहरे नहीं हो सकते, जिनके चेहरे पर जसवंत सिंह ने उनके सामने चुनाव लड़ा और पराजित हुये थे।

आंजना ने जोशी पर आरोप लगाया कि अफीम डोडा चूरा के नाम पर उन्होंने किसानों को लूटा है। उनका सीधा आरोप था कि उन्हें किसानों ने बताया है कि डोडा चूरा नष्टीकरण के नाम पर नारकोटिक्स अधिकारी प्रति किसान से 10 किलो डोडा चूरा के साथ 20 हजार रूपये भी वसूलते रहे और वह 10 किलो डोडा चूरा मौके पर खड़ी ट्रक में हाथों हाथ भरकर मारवाड़ तस्करी के लिये नारकोटिक्स अधिकारी ही भेजते रहे हैं। मादक पदार्थ नियंत्रण के लिए मनमोहन सरकार के समय बनी अंतरराष्ट्रीय नीति के तहत लागू सीपीएस पद्धति को किसान विरोधी बताते हुये कहा कि भले मनमोहन सिंह ने गलत कर लिया लेकिन मोदी तो अंतरराष्ट्रीय नेता बनते हैं, तो उन्हें इस पर किसानों को राहत दिलवानी चाहिये थी।

आंजना ने कांग्रेस के नेताओं द्वारा सनातन विरोधी वक्तव्य दिये जाने के सवाल पर मानसिक विकृत का शिकार बताते हुये कहा कि जो सनातनी हैं, वह ऐसी बातें कर ही नहीं सकता है। मंगलवार देर रात जिले के पहुंना में हुई साम्प्रदायिक हिंसा पर उन्होंने पुलिस प्रशासन की नाकामी को खारिज करते हुये कहा कि पुलिस को पहुंचने में समय लगता है और पुलिस पहुंची भी है एवं मामले को नियंत्रित कर लिया।

मुख्यमंत्री को रिसीव करने का पास नहीं बनने पर भड़के मंत्री जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। लूणी विधायक और कानून मंत्री जोगाराम पटेल जोधपुर एयरपोर्ट पर उस वक्त भड़क गए, जब उन्हें सीएम भजनलाल को रिसीव करने का पास नहीं मिला। दूसरों के पास बन गए थे। गुस्से में उन्होंने कहा- मेरे पास उन्हें दे दो, जिनके हाथ में एक-एक लाख की थैली है। सबकी पोल खुलेगी। इसके बाद माहौल गरमा गया। बाद में पास बनने पर मंत्री अपने मुख्यमंत्री को रिसीव करने अंदर गए। स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने भी जोगाराम पटेल को अंदर चलने को कहा तो उन्होंने पास नहीं बनने का हवाला देते हुए अंदर जाने से इनकार कर दिया।

इस मामले के मुताबिक मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पर सीएम भजनलाल शर्मा के आने का कार्यक्रम था, वे यहां क्लस्टर की बैठक में हिस्सा लेने आए। एयरपोर्ट पर उन्हें रिसीव करने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, हेल्थ मिनिस्टर गजेंद्र सिंह खींवसर, पूर्व जेडीए अध्यक्ष महेंद्र सिंह राठौड़ और कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल मौजूद थे। गजेंद्र सिंह खींवसर ने पटेल को अंदर चलने को कहा। इस पर पटेल बोले- मेरा पास नहीं बना है...ये लोग मेरा पास नहीं बनाते हैं, जिनके हाथ में एक-एक लाख रुपए की थैली है, उनको भेजो। इस पर वहां मौजूद पूर्व जेडीए अध्यक्ष महेंद्र सिंह राठौड़ उनके पास गए और कान में कुछ कहा। पटेल ने पलटकर जवाब दिया- जाने दो उनको आगे.... वही सीएम को रिपोर्ट देंगे। सबकी पोल खुलेगी, तब पता चलेगा। कुछ देर बाद जब पास बनकर आए तो मंत्री अंदर चले गए।

दरअसल एयरपोर्ट पर सीएम को रिसीव करने के लिए पास बनवाने की जिम्मेदारी देहात जिला अध्यक्ष मनोहर पालीवाल और शहर महामंत्री मनीष पुरोहित को दी गई थी। जोगाराम पटेल का पास ही नहीं बना था। इसकी जानकारी शहर महामंत्री पुरोहित को मिली। वो फौरन पास लेने चले गए। इसी दौरान ये सारा घटनाक्रम हुआ।

इस मामले को लेकर कैबिनेट मंत्री पटेल से पूछा गया कि गुस्से में आपने क्या कुछ कहा? वे तत्काल अपने कहे से पलट गए। उन्होंने कहा कि मैंने किसी के लिए ऐसा कुछ नहीं कहा है। इसके बाद अन्य नेताओं ने भी कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। जैसे उनके आंख कान बंद थे, फिर जुबान पर भी चुप्पी साध ली।

गुलाबीनगरी में रंगीलो राजस्थान होली धमाल की धूम

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के विधाधरनगर के एमपी थियेटर में रंगीलो राजस्थान होली धमाल का आयोजन किया गया। जागृति फांउडेशन एवं ग्रीन इंग्लिश सीनियर सैकेंडरी स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार रात आयोजित इस कार्यक्रम में शेखावाटी कल्चरल आफ मंडावा के कलाकारों ने चंग की थाप पर रसिया होली धमाल और श्याम भजनों की मधुर प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह लिया। इस भव्य रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति देने वाले कलाकारों के साथ ताल से ताल मिलाकर लोग होली धमाल महोत्सव का आनंद उठाते नजर आये। कार्यक्रम आयोजक एवं पार्षद प्रियंका अग्रवाल ने बताया कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखने और भषवी पीढी को राजस्थानी संस्कृति के बारे में जानकारी देने के लिए जागृति फांउडेशन की ओर से हर साल यह आयोजन किया जाता है। इस रोमांचक कार्यक्रम में ड्रॉन के जरिए पुष्प वर्षा की गई। साथ ही महिला सशक्तिकरण को बढावा देने के लिए उनके होम मेड प्रोडेक्टस की सेल के लिए नि:शुल्क स्टॉल्स उपलब्ध कराई गई

'भाजपा में सबका स्वागत है....' : खींवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । लोकसभा चुनाव से पहले बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं के बीजेपी में शामिल होने पर राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'लोग दरवाजा तोड़कर बीजेपी में घुस रहे हैं। उनका स्वागत है। जितने लोग आएंगे, हमारी उतनी ताकत बढ़ेगी। सभी का स्वागत है। सबके लिए हमारे पास जगह है।' उनसे जब पूछा गया कि जिस तरह से बीजेपी में शामिल होने के लिए नेताओं की लाइन लगी पड़ी है, उस पर क्या कहना चाहेंगे? इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, इससे आप देख सकते हैं कि रुख क्या है? हवा क्या है? हमें कोई शक ही नहीं है कि 25 में से 25 सीटें नहीं मिलेगी। वहीं, जब विपक्षियों की आलोचना पर उनसे सवाल किया गया, तो उन्होंने दो टूक कह दिया कि यह कुछ भी नहीं है। यह सिर्फ और सिर्फ चुनावी स्टंट है। उनसे जब मीडियाकर्मियों ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा शुरू की गई चिरंजीवी योजना को बंद किए जाने पर सवाल किया, तो उन्होंने कहा, हमने चिरंजीवी योजना को बंद नहीं किया है। हम उसे आगे बढ़ाएंगे। हम उससे बढ़िया स्कीम लाएंगे। नाम हमारा जरूर आयुष्मान के साथ रहेगा। चिरंजीवी योजना के अंतर्गत कहा जाता था कि 25 लाख दिया जाता है। सब झूठ है।

उन्होंने सवाल दागा, किसे मिले 25 लाख रुपए? दोतीन लोगों को 13 लाख मिले तो कुछ लोगों को 8 लाख। अधिकांश लोगों को 3 लाख से कम मिले। 90 फीसद लोगों को 3 लाख से कम मिले। 25 लाख का ढिंढोरा जो इन लोगों ने पीट रखा था, वो बिल्कुल गलत था। हम इससे अच्छी स्कीम लेकर आएंगे, जो गरीबों और मध्यमवर्गीय परिवार के लोगों के लिए रहेगी।

मतदान के दिन कामगारों को मिलेगा सवैतनिक अवकाश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा चुनाव-2024 के दौरान राजस्थान में मतदान दिवस पर सभी कामगारों के लिए निजी, औद्योगिक संस्थानों एवं राजकीय उपक्रमों में सवैतनिक अवकाश घोषित किया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि राजस्थान सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना के अनुसार, राज्य में पहले चरण के मतदान के लिए शुक्रवार 19 अप्रैल को 12 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों तथा द्वितीय चरण के लिए शुक्रवार 26 अप्रैल को शेष 13 लोकसभा क्षेत्रों में स्थित कार्यालयों एवं कार्यस्थलों में अवकाश रहेगा, ताकि उक्त तिथियों को मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें।

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135 'खञ के अनुसार मतदान के दिन कर्मचारियों के सवैतनिक अवकाश मंजूर करने की व्यवस्था की गई है इसमें किसी भी कारोबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य स्थापन में नियोजित व्यक्ति, जो राज्य की विधानसभा के लिए निर्वाचन में मतदान करने के हकदार है, उन्हें मतदान के दिन अवकाश दिया जाएगा। इसके अनुसार अवकाश मंजूर करने की स्थिति में किसी भी कामगार के वेतन से कोई कटौती या उसमें कोई कमी नहीं की जाएगी। यह प्रावधान ऐसे मतदाताओं के लिए लागू नहीं होंगे, जिनके कार्य से अनुपस्थिति के कारण उस नियोजन के संबंध में, जिसमें वह कार्यरत है, कोई खतरा या सारवान हानि हो सकती है।

शेखावत ने जोधपुर में खेली फूलों की होली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर । केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बुधवार सुबह जोधपुर के भदवासिया सब्जी मंडी के सी ब्लॉक में आमलकी अमावस्या एकादशी और होली स्नेह मिलन समारोह में शिरकत की। शेखावत ने 'ठाकुर जी के गैरियो संग' होली स्नेह मिलन समारोह में फूलों की होली खेली और सभी के साथ ठाकुर जी के भजन भी गाए और फाग के गीतों पर नृत्य किया। फागुन में लोग राजस्थानी फाग नाम का विशेष गीत गाकर होली मनाते हैं जो वसंत की शुरुआत का जश्न है। शेखावत आगामी लोकसभा चुनाव के लिए जोधपुर से भाजपा के उम्मीदवार हैं।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि होली सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है, जिसमें सभी लोग एक साथ आते हैं और खुशियों के रंग में सराबोर हो जाते हैं। शेखावत ने कहा कि इस बार की होली और भी खास है क्योंकि भगवान रामलला के प्रकट होने के बाद पहली बार देश होली मनाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ हफ्तों बाद लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्योहार (चुनाव) भी आ रहा है, जिसे हम सभी को मनाना है। इसलिए हम सभी को लोकतंत्र के इस उत्सव में भाग लेना होगा।

छात्रा अपहरण : तीसरे दिन भी कोई सुराग नहीं

कोटा। राजस्थान के कोटा में एक कोचिंग छात्रा के कथित अपहरण के मामले में तीसरे दिन बुधवार को भी कोई सुराग नहीं मिल सका है। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहान ने आज इस कोचिंग छात्रा को तलाशने में मदद मिल सकने के लिए उसकी पासपोर्ट आकार की साफ तस्वीर सार्वजनिक की है जिसकी सूचना देने वाले को पुलिस ने पहले ही 20 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की हुई है। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के बैराड़ तहसील के कालामढ़ बैराड निवासी रघुवीर सिंह धाकड़ ने बताया कि उसने कोटा के कोचिंग के लिए पिछले साल सितंबर में कोटा की एक निजी कोचिंग संस्थान में उनकी पुत्री काव्या धाकड़ (20) को दाखिला दिलवाया था। उन्होंने बताया कि छात्रा काव्या का सोमवार को एक फोटो तेजी से वायरल हुआ जिसमें वह रस्सी से बंधे नजर आ रही है और चेहरे पर खून के निशान भी है। इस फोटो के वायरल होने के बाद डॉ. अमृता दुहान ने स्वत: संज्ञान लिया और इस मामले में किसी के रिपोर्ट दर्ज करवाए जाने की प्रतीक्षा किए बिना विज्ञान नगर थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 364-ए की के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीमें गठित कर कथित अपहृत छात्रा काव्या धाकड़ की व्यापक पैमाने पर तलाश शुरू की।

दुनिया में वर्ष 2032 तक जेनेरिक एआई की मांग 1.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना : एडब्ल्यूएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दुनिया की सबसे बड़े पैमाने एवं व्यापक रूप में अपनाई जाने वाली क्लाउड पेशकश अमेज़न वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ने कहा है कि जेनेरिक एआई की दुनियां भर में मांग बढ़ती जा रही है और वर्ष 2032 तक इसकी मांग 1.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है।

कंपनी के भारत और दक्षिण एशिया के हेड ऑफ टैक्नोलॉजी एंड सॉल्यूशन आर्किटेक्चर अनुपम मिश्रा ने बुधवार को यहां जेनेरिक एआई के बारे में मीडिया को बताते हुए यह बात कही। इस अवसर पर राजस्थान की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग प्रबंधन सॉफ्टवेयर कंपनी योचार्ज के सीईओ जयदीप सिंह शक्तावत और जेडनेट टेक्नोलॉजीज के फाउंडर और सीईओ मुनेश जादौन भी मौजूद थे। मिश्रा ने बताया कि कैसे जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की क्षमता का इस्तेमाल कर स्थानीय व्यवसायों को और भी बेहतरीन किया जा सकता है और उद्योग में शानदार परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एडब्ल्यूएस जयपुर में व्यवसायों को जेनेरिक एआई अपनाने में तेजी लाने में मदद कर रही है। उन्होंने कहा पिछले कुछ सालों में जयपुर व्यवसायों और स्टार्टअप के लिए एक कामयाब आधार के रूप में उभरा है। हमारा लक्ष्य इन कंपनियों को तकनीकी ट्रेनिंग तक पहुंचा कर, हमारे स्थानीय पार्टनर्स नेटवर्क के साथ सहयोग कर और उन्हें नए क्लाउड-आधारित समाधानों के हमारे व्यापक सूट की पेशकश कर पहले दिन से ही कामयाब होने में मदद करना है।

उन्होंने कहा कि एडब्ल्यूएस उन्नत प्रौद्योगिकियों द्वारा डिजिटल परिवर्तन को लाने के लिए जयपुर में स्थानीय ग्राहकों और भागीदारों के साथ सहयोगात्मक प्रयासों में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि जेनेरेटिव एआई अगली सबसे परिवर्तनकारी तकनीक के रूप में एक सही गेम चेंजर के रूप में उभर सकता है,जो व्यवसायों के लिए ऑपरेशंस चलाने और ग्राहकों के साथ बातचीत करने के लिए नए, अनोखे और आकर्षक तरीके उत्पन्न करता है। एडब्ल्यूएस इनोवेशन और विकास को सक्षम करने वाले डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए जयपुर में उद्योगों का साथ देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2032 तक जेनेरिक एआई की दुनियां भर में मांग 1.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। एआई/मशीन लर्निंग (एमएल) क्षेत्र में 70 हजार से भी ज़्यादा स्टार्टअप हैं। पिछले दो सालों में लगभग 24.8 अरब डॉलर का निजी निवेश जेनरेटिव एआई के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें 30 यूनिकॉर्न शामिल हैं। भारत में, जनरल एआई स्टार्टअप्स की संख्या वर्ष 2021 से दुगनी हो गई है और निवेश 475 मिलियन डॉलर को पार कर गया है। इनमें से लगभग 80 प्रतिशत स्टार्टअप घर में ही सॉल्यूशन तैयार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप से लेकर उद्यमों तक,संगठन जेनेरिक एआई के साथ इनोवेशन करने और वैल्यू क्रिएशन को सक्षम करने के लिए एडब्ल्यूएस पर भरोसा करते हैं।

दौरा

भाजपा बेंगलूरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार डॉ. सी.एन. मंजूनाथ ने बुधवार को बेंगलूरु के मल्लेश्वरम स्थित भाजपा राज्य कार्यालय का दौरा किया। पार्टी के राज्य मुख्य प्रवक्ता अश्वत्थनारायण, राज्य कार्यालय सचिव लोकेश अंबेकल्लू, संयुक्त सचिव विश्वनाथ अंजी और अन्य महत्वपूर्ण लोगों ने उनका स्वागत किया। यहां भारत माता को याद करते हुए पुष्प चढ़ाए गए।

पांच लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों का नाम कल तय होगा : येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बी.एस. येडीयुरप्पा ने बुधवार को कहा कि कर्नाटक की शेष पांच लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची को 22 मार्च को अंतिम रूप दिया जाएगा। भाजपा ने पिछले सप्ताह कर्नाटक में आगामी चुनावों के लिए 20 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची की घोषणा की। राज्य में लोकसभा की कुल 28 सीट हैं।

उसकी गठबंधन सहयोगी जद (एस) ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह तीन सीटों हासन, मंड्या और कोलार पर चुनाव लड़ेगी। भाजपा की ओर से हालांकि इस आशय की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। कुछ खबरों के अनुसार, भाजपा कोलार सीट जद (एस) को देने में अनिच्छुक है। एस. मुनिस्वामी कोलार से भारतीय जनता पार्टी के निवर्तमान सांसद हैं।

येडीयुरप्पा ने राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाताओं को बताया, कल हमने केंद्रीय गृह मंत्री (अमित शाह) और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के साथ शेष पांच सीटों पर विस्तृत चर्चा की। अंतिम निर्णय की घोषणा 22 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से चर्चा के बाद की जाएगी। चूंकि भाजपा और जद (एस) के बीच गठबंधन है, इसलिए इस बार सभी 28 सीटें जीतना संभव होगा। भाजपा ने पिछले चुनावों में राज्य में 25 सीटें जीती थीं जबकि पार्टी समर्थित एक निर्दलीय उम्मीदवार ने भी जीत हासिल की थी। पिछला चुनाव कांग्रेस व जद(एस) ने राज्य में गठबंधन में लड़ा था और दोनों दलों को एक-एक सीट मिली थी।

सीट बंटवारे के मुद्दे पर जद(एस) के कथित तौर पर नाखुश होने पर येडीयुरप्पा ने कहा, मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि पूर्व प्रधानमंत्री और पार्टी के संरक्षक एच.डी. देवेगौड़ा और पूर्व मुख्यमंत्री और उनके बेटे एच.डी. कुमारस्वामी सहित जद (एस) के सभी नेता हमारे साथ होंगे। एक बार जब वे हमारी पार्टी आलाकमान द्वारा लिए गए निर्णय पर सहमत हो जाएंगे, तो सभी चीजें ठीक हो जाएंगी। भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य येडीयुरप्पा ने कहा, हम उन्हें वो सीटें देने की कोशिश करेंगे, जिनकी उन्हें उम्मीद है।

द्रमुक ने करंदलाजे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

बेंगलूरु/नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) द्वारा आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन के बारे में की गई शिकायत के आधार पर बुधवार को कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता शोभा करंदलाजे के खिलाफ उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निर्वाचन आयोग ने इसी के साथ 48 घंटे के भीतर मामले पर अनुपालन रिपोर्ट भी तलब की है।

द्रमुक ने करंदलाजे पर आरोप लगाया है कि उन्होंने दावा किया है कि एक मार्च को बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे में संवर्धित विस्फोट उपकरण (आईईडी) के जरिये किए गए धमाके के लिए तमिलनाडु का एक व्यक्ति जिम्मेदार था।

द्रमुक ने इस बयान को लेकर करंदलाजे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। दिन में निर्वाचन आयोग को दी गई अपनी शिकायत में द्रमुक ने कहा कि मंत्री के बयान ने तमिलनाडु के लोगों को 'चरमपंथी' के रूप में प्रचारित किया है। शोभा करंदलाजे ने मंगलवार को बेंगलूरु में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा, कर्नाटक में कानून-व्यवस्था खराब हो गई है। तमिलनाडु से आए लोग यहां बम लगाते हैं, दिल्ली से आए लोग 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाते हैं और केरल से आए लोग तेजाब से हमले में शामिल थे।

विजयेंद्र लोकसभा चुनाव के बाद अध्यक्ष पद से इस्तीफा देंगे : ईश्वरप्पा

ईश्वरप्पा द्वारा लगाए गए सभी आरोप निराधार : येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। पूर्व उप मुख्यमंत्री के एस ईश्वरप्पा ने बुधवार को दावा किया कि लोकसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद कर्नाटक की भाजपा इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा अपना पद छोड़ देंगे। ईश्वरप्पा ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का केंद्रीय नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा की जिद के आगे झुक गया और उनके बेटे विजयेंद्र को भाजपा का राज्य प्रमुख बना दिया।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए येडीयुरप्पा ने कहा कि वह इस तरह के 'गैरजिम्मेदाराना' बयानों पर प्रतिक्रिया नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि इसका जवाब केवल लोग ही देंगे। राज्य भाजपा के पूर्व प्रमुख ईश्वरप्पा ने कहा था कि वह शिवमोग्गा में येडीयुरप्पा के बेटे और मौजूदा सांसद बी वाई राघवेंद्र के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने आरोप लगाया था कि येडीयुरप्पा ने उनके बेटे के ई कांतेश को पड़ोसी हावेरी क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिलाने का वादा किया था, लेकिन उन्हें धोखा दिया। ईश्वरप्पा ने

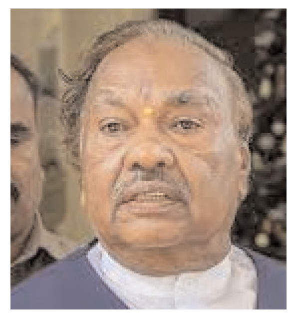

कहा, ''मुझे विश्वास है कि एक बार जब मैं चुनाव जीत जाऊंगा, तो विजयेंद्र भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे देंगे।'' ईश्वरप्पा ने दावा किया कि विजयेंद्र को भाजपा राज्य प्रमुख नियुक्त करने में छह महीने की देरी हुई। उन्होंने कहा, ''देरी क्यों हुई? केंद्रीय नेता इसके लिए तैयार नहीं थे। येडीयुरप्पा की जिद के कारण उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया।'' उन्होंने आश्चर्य जताया कि विजयपुरा के भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष क्यों नहीं बनाया गया, जबकि वह भी येडीयुरप्पा की तरह लिंगायत समुदाय से हैं, जो कर्नाटक का एक प्रमुख समुदाय है।

ईश्वरप्पा ने कहा कि सी टी रवि ने गोवा, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए भाजपा प्रभारी के रूप में काम करने के वास्ते मंत्री पद छोड़ दिया, लेकिन उनके नाम पर भी इस पद के लिए विचार नहीं किया गया। ईश्वरप्पा ने कहा येडीयुरप्पा किसी को भी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नहीं चाहते, चाहे वह लिंगायत हो, वोक्कालिगा हो या पिछड़ी जाति का कोई भी व्यक्ति हो। वह बस यही चाहते थे कि उनका बेटा यह पद संभाले। मैं उस प्रणाली के खिलाफ लड़ रहा हूं।

ईश्वरप्पा के आरोपों को खारिज करते हुए येडीयुरप्पा ने राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाताओं से कहा, यह सभी जानते हैं कि विजयेंद्र के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद राज्य में पार्टी कैसे बढ़ी। ईश्वरप्पा केवल इसलिए आरोप लगा रहे हैं क्योंकि उनके बेटे को टिकट नहीं मिला, जो सही नहीं है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों के चयन पर निर्णय भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा सर्वसम्मति से लिया जाता है। येडीयुरप्पा ने कहा, ''ईश्वरप्पा अनावश्यक रूप से आरोप लगा रहे हैं कि मैंने उनके बेटे को टिकट नहीं दिया। मेरा मानना है कि दो या तीन दिनों में उन्हें एहसास हो जाएगा और वह ठीक हो जाएंगे।'' निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के ईश्वरप्पा के कदम पर येडीयुरप्पा ने कहा कि उन्होंने और पार्टी के नेताओं ने उनसे ऐसा निर्णय न लेने की अपील की है।

बैठक

एक महीने तक चलने वाले महिला दिवस समारोह-2024 के समापन के लिए वायुसेना परिवार कल्याण संघ (क्षेत्रीय) बेंगलूरु ने एएफएफडब्ल्यूए बैठक का आयोजन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अभिनेत्री गुल पनाग थीं। इस आयोजन का उद्देश्य 'समावेशी को प्रेरित करना' था। महीने के दौरान संगिनियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं।

नम्मा मेट्रो युवतियों के लिए सुरक्षित नहीं, युवती ने की शिकायत

बेंगलूरु। बेंगलूरु में चलने वाली नम्मा मेट्रो युवतियों के लिए सुरक्षित नहीं है। ऐसी ही एक शिकायत एक युवती ने नम्मा मेट्रो अधिकारियों मेल के द्वारा दी। उन्होंने मेल की कॉपी पुलिस अधिकारियों को भी अटैच की है। अपने मेल में युवती ने बताया कि वह मंगलवार को दोपहर में 2.30 बजे जालहल्ली मेट्रो से यात्रा के दौरान प्लेटफार्म पर थीं। उस समय नम्मा मेट्रो का एक कर्मचारी सुरक्षा कर्मी ने अपने ही निजी अंगों की ओर इशारा करते हुए गंदे इशारे किए। युवती ने जब वीडियो बनाना चाहा तो वह वहां से चला गया। इस मेल के आधार पर पुलिस मेट्रो स्टेशन के सीसीटीवी की जांच कर रही है।

दपरे की सोनिया सोनी जॉर्ज को 'उत्कृष्ट महिला कर्मचारी' पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल के एमईएमयू शेड, बनासवाड़ी की तकनीशियन सोनिया सोनी जॉर्ज को वर्ष 2023-24 के लिए 'उत्कृष्ट महिला कर्मचारी' के तौर पर सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार पूरे भारतीय रेलवे से जोनल / डिवीजन / यूनिट स्तरों से चुनी गईं महिला कर्मचारियों के असाधारण योगदान को मान्यता देता है। यह पुरस्कार समारोह 15 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के हिस्से के रूप में नई दिल्ली में रेलवे महिला कल्याण केंद्रीय संगठन के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। भारतीय रेलवे प्रेरणादायक महिला कर्मचारियों को बढ़ावा देता है। यह महिलाओं के कल्याण और नारी-शक्ति की भारत सरकार की घोषित स्थिति और इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम - 'महिलाओं में निवेश करें - प्रगति में तेजी लाएं' के अनुरूप, प्रगति में तेजी लाने के लिए उन्हें समावेशी तरीके से सशक्त बनाता है।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक योगेश मोहन, एमईएमयू शेड बनासवाड़ी के वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता रामचंद्रन ने पुरस्कार विजेता को बधाई दी।

कर्नाटक में अधिकारियों ने नक्सली गतिविधि की पुष्टि की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । राज्य के कोडागु जिले में नक्सली गतिविधि की सूचना मिलने के बाद भाजपा ने मंगलवार को कर्नाटक सरकार पर हमला बोला। भाजपा ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि राज्य में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के सत्ता में आने के बाद देश के अन्य हिस्सों से जड़ें उखड़ने पर नक्सली कर्नाटक में बसने आ गए हैं। भाजपा ने दावा किया कि नक्सली सोचते हैं कि राज्य में कांग्रेस सरकार के तहत आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के बाद भी वे सुरक्षित रह सकते हैं। भाजपा ने कहा कि विधानसभा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे और कैफे बम विस्फोट के बाद कर्नाटक में तबाही मचाने की बारी अब नक्सलियों की है। भाजपा ने कहा कि स्थानीय लोगों ने पुष्टि की है कि दक्षिण कन्नड़ और कोडागु जिलों में हिंदी भाषी नक्सली बस गए हैं। खबरों के मुताबिक, आठ हथियारबंद संदिग्ध नक्सलियों की एक टीम ने कूजामलाई रबर एस्टेट के पास एक दुकान से किराने का कुछ सामान खरीदा।

कर्नाटक में और अधिक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की आवश्यकता

भाजपा घोषणापत्र के लिए व्यापारियों का सुझाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा के संकल्प पत्र (घोषणापत्र) के लिए व्यापार, उद्योग और पेशेवरों से सुझाव आमंत्रित करते हुए बुधवार को एफकेसीसीआई और भाजपा आर्थिक पैनल के सहयोग से एक संवाद बैठक आयोजित की गई। बैठक में कर्नाटक में अधिक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों की आवश्यकता और पर्यटन पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के सुझाव प्राप्त हुए।

एफकेसीसीआई के अध्यक्ष रमेश चंद्र लाहोटी और एफकेसीसीआई के अन्य पदाधिकारी, बेंगलूरु मध्य सांसद पीसी मोहन, एमएलसी गोपीनाथ रेड्डी, भाजपा राज्य उपाध्यक्ष श्रीमती मालविका अविनाश, राज्य समितियों के संयोजक दत्तात्री, भाजपा राज्य आर्थिक समिति के संयोजक जीएस प्रशांत, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा आदि प्रमुखों सहित अनेक व्यापारियों और उद्योगपतियों ने भाग लिया। इस बैठक में व्यापार करने में आसानी और लघु एवं सूक्ष्म उद्यम क्षेत्र से संबंधित मुद्दों पर प्रमुख सुझाव प्राप्त हुए। एमएसएमई के लिए निकास नीति और एमएसएमई के विकास के लिए प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप की आवश्यकता के संबंध में सुझाव दिए। कराधान, आयकर और जीएसटी, जीएसटी स्लैब के युक्तिकरण, जीएसटी में रिफंड के स्वचालन और पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के तहत लाने की आवश्यकता से संबंधित मुद्दों पर सुझाव प्राप्त हुए। आयकर के अंतर्गत एमएसएमई क्षेत्र पर आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 43बीएच के प्रभाव पर जोर दिया गया। व्यापारियों ने धारा 43बीएच से होने वाले नुकसान की आशंका जताई है। सदस्यों ने 'सबका विश्वास' जैसी और माफी योजनाओं का सुझाव दिया।

सद्‌गुरु जग्गी वासुदेव की मस्तिष्क की आपातकालीन सर्जरी हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर/नई दिल्ली। आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जग्गी वासुदेव की दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में आपातकालीन मस्तिष्क सर्जरी की

गई है। अस्पताल के एक वरिष्ठ चिकित्सक ने बुधवार को यह जानकारी दी। सद्गुरु को मस्तिष्क में 'जीवन-घातक' रक्तस्राव होने के बाद निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और अब वह पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं।

इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल ने एक बयान में कहा, ''मस्तिष्क में रक्तस्राव को दूर करने के लिए 17 मार्च को उनकी सर्जरी की गई थी। सर्जरी के बाद सद्गुरु को वेंटिलेटर से हटा दिया गया है। उनके स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है और उनके स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सभी पहलुओं में सुधार हुआ है।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आध्यात्मिक गुरु से बात की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सद्गुरु जग्गी वासुदेव जी से बात की और उनके बेहतर स्वास्थ्य तथा शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।''

सद्गुरु ने तुरंत मोदी के पोस्ट का जवाब देते हुए कहा कि वह उनके स्वास्थ्य को लेकर प्रधानमंत्री की चिंता से 'अभिभूत' हैं। आध्यात्मिक गुरु ने एक पोस्ट में कहा, प्रिय प्रधानमंत्री जी, आपको मेरी चिंता नहीं होनी चाहिए। आपके पास एक राष्ट्र के लिए करने हेतु कई कार्य हैं। आपकी चिंता से अभिभूत हूं, मैं ठीक होने की राह पर हूं। धन्यवाद।

गंभीर रूप से घायल अभिनेत्री अरुंधति को इलाज के लिए आर्थिक मदद की जरूरत : परिवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। छह दिन पहले एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गईं अभिनेत्री अरुंधति नायर की सर्जरी के लिए आर्थिक मदद की जरूरत है। अरुंधति की दोस्त और अभिनेत्री राम्या जोसफ ने बुधवार को यह बात कही।

राम्या ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अरुंधति 14 मार्च की रात को तिरुवनंतपुरम में अपने भाई के साथ एक बाइक पर घर लौट रही थीं तभी रास्ते में एक ऑटो ने उन्हें टक्कर मार दी।

राम्या ने बताया कि उन्हें तत्काल अनंतपुरी अस्पताल ले जाया गया जहां अरुंधति के भाई को मामूली चोट के उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। अभिनेत्री ने कहा कि अरुंधति के अस्पताल में होने और इलाज के लिए पैसों की जरूरत होने की खबर सोशल मीडिया पर फैलने के बाद भी तमिल फिल्म उद्योग से किसी ने उनकी मदद के लिए हाथ नहीं बढ़ाया है।

राम्या ने कहा, अरुंधति ने तमिल में पांच फिल्मों में शीर्ष किरदार अदा किया है। वह इतनी गंभीर रूप से घायल हो गईं कि कल तक डॉक्टरों को संदेह था कि वह दिमागी रूप से मृत हो सकती हैं। फिर भी, तमिल फिल्म जगत से किसी ने संपर्क नहीं किया। मुझे पता है कि ऐसा जरूरी नहीं है, लेकिन अगर कोई फोन करता और उनका हालचाल पूछता तो अच्छा लगता, आर्थिक मदद की बात तो भूल जाइए। राम्या ने कहा कि अरुंधति का जन्म और पालन-पोषण तिरुवनंतपुरम में हुआ था, लेकिन उन्होंने अब तक केवल एक मलयालम फिल्म में अभिनय किया है और फिर भी मलयालम फिल्म उद्योग एक आवाज पर आगे आया।

अरुंधति की बहन अराती ने बताया कि जब परिवार और दोस्तों ने जिंदगी के लिए संघर्ष कर रही अरुंधति के लिए आर्थिक सहयोग लेना शुरू किया तो कई लोगों ने उनका मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा, मेरी बहन इतनी बुरी तरह घायल है, लेकिन कई लोग कह रहे हैं कि यह घोटाला है। राम्या ने कहा कि समस्या तब शुरू हुई जब मलयालम अभिनेत्री और दोस्त गोपिका आनंद ने अपने सोशल मीडिया पेज पर आर्थिक मदद की अपील की।

बैंक लोन से परेशान मां और जुड़वा बच्चों ने की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां जेपीनगर में बुधवार को एक मां ने अपने जुड़वा बच्चों के साथ आत्महत्या करने की घटना प्रकाश में आई है। बुधवार को जेपीनगर के थर्ड स्टेज के छठवें मैन स्थित एक निवास पर अपने आप को दोनों युवा जुड़वा बच्चों के साथ आग के हवाले कर आत्महत्या कर ली। जेपीनगर में सुकन्या (48) अपने दो पुत्र निखिल और निशित (28) और पति दयानंद के साथ रह रही थीं। सुकन्या आस पास के बच्चों की ट्यूशन लेती थीं। वहीं निखिल और निशित जॉब कर रहे थे। निशित का कोरोना के बाद से वर्क फार्म होम कर रहा था।

सुकन्या का पति दयानंद फैक्टरी का मालिक है। एनएस पाल्या में डाई मेकिंग की फैक्टरी का काम करते हैं। कोविड के दौरान फैक्टरी को काफी नुकसान हुआ। उसके लिए उन्होंने काफी लोन लिया। बैंक ने उगाही के लिए घर पर आकर ड्रामा किया। जिससे पूरा परिवार परेशान था।

बुधवार को सुबह साढ़े सात बजे के समय दयानंद हॉल में बैठे पेपर पढ़ रहे थे कि सुकन्या के रूम से आवाजें आईं। उन्होंने जाकर देखा तो तीनों अपने आप को आग के हवाले कर दिया था। रूम का दरवाजा बंद था। आसपास के लोगों को सहायता के लिए दयानंद ने पुकारा। लोगों के साथ मिलकर उसने दरवाजे को तोड़ा तो बुरी तरह से जले तीनों के शव मिले।

पुलिस ने मौका वारदात का जायजा लिया। पुलिस को वहां कोई पेट्रोल या अन्य कोई ज्वलनशील पदार्थ नहीं मिला। फिर इतनी बुरी तरह शरीर का जल जाना अपने आप में आश्चर्य है।

लोन से परेशान होकर आत्महत्या का मामला दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं पुलिस ने विधि विज्ञान प्रयोग शाला (एफएसएल) को मौके पर बुलाया और जांच कर रही है।

भारत ने मुख्य युद्धक टैंक के लिए स्वदेश निर्मित इंजन का मैसूरु में पहला परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु/नई दिल्ली। भारत ने मुख्य युद्धक टैंक के लिए पहले स्वदेश निर्मित 1500 अश्वशक्ति (हॉर्स पावर) क्षमता के इंजन का पहला परीक्षण बुधवार को मैसूरु में किया गया। रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने इसे एक 'परिवर्तनकारी क्षण' करार दिया और कहा कि यह देश की सैन्य क्षमता को बढ़ाएगा। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, यह उपलब्धि देश की रक्षा क्षमताओं में एक नए युग की शुरुआत' करती है, जो तकनीकी कौशल एवं रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बयान के मुताबिक अरामाने ने 20 मार्च को मैसूर परिसर में बीईएमएल के इंजन डिवीजन में मुख्य युद्धक टैंक के लिए भारत के पहले स्वदेश निर्मित 1500 अश्वशक्ति (एचपी) इंजन के पहले परीक्षण का नेतृत्व किया। बयान में अरामाने के हवाले से कहा गया, यह एक परिवर्तनकारी क्षण है जो भारत की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाएगा। बयान के मुताबिक, 1500 एचपी क्षमता का इंजन सैन्य प्रणोदन प्रणालियों में एक आदर्श बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें उच्च शक्ति से वजन अनुपात, अधिक ऊंचाई पर, शून्य से नीचे तापमान में और रेगिस्तानी वातावरण सहित चरम स्थितियों में संचालन क्षमता जैसी अत्याधुनिक विशेषताएं हैं। उन्नत प्रौद्योगिकियों से सुसज्जित, यह इंजन विश्व स्तर पर सबसे उन्नत इंजन के समान है। भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) के प्रबंध निदेशक शांतनु रॉय ने कहा कि यह उपलब्धि देश में रक्षा उत्पादन में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में बीईएमएल की स्थिति को मजबूत करती है, इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में देश की जरूरतों को पूरा करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है''।

सुविचार

किसी को धोखा देकर ये मत सोचो की वो कितना बेवकूफ है, ये सोचो की उसे तुम पर कितना भरोसा था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बर्बादी का चक्रव्यूह

पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन गेम्स के प्रसार के साथ ही कई समस्याएं पैदा होने लगी हैं। जब भारत में इंटरनेट इतना सुलभ नहीं था, तब भी कई लोग मोबाइल फोन पर गेम खेलते थे, जो तुलनात्मक रूप से इतने हानिकारक नहीं थे। हालांकि उस समय भी विशेषज्ञ कहते थे कि ऐसे गेम्स की लत लग सकती है। इनसे आंखों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अब तरह-तरह के ऑनलाइन गेम आ गए हैं। कुछ गेम तो ऐसे हैं, जिन्होंने कई परिवारों को आर्थिक रूप से भारी नुकसान पहुंचाया है। इनके ज्यादातर शिकार युवा हैं, जिन्होंने मोटी कमाई के लालच में आकर कोई गेम खेलना शुरू कर दिया था। उसके बाद बर्बादी के चक्रव्यूह में ऐसे फंसे कि बाहर निकलने का रास्ता ही नजर नहीं आया। इन दिनों मेवात क्षेत्र में भी एक ऑनलाइन गेम के खूब चर्चे हैं, जिसकी लत ने कई परिवारों की जमा-पूंजी लूट ली। प्राय: इन परिवारों के युवा सदस्यों ने शौकिया गेम खेलना शुरू किया था। उसके बाद पैसा लगाते-लगाते इतने आगे बढ़ गए कि अब न तो पीछे लौट सकते हैं और न ही इसे छोड़ने का मन कर रहा है। चर्चा तो यहां तक है कि इस क्षेत्र से ही युवाओं के करोड़ों रुपए ऑनलाइन गेम में डूब गए। जब लोग इस गेम को खेलने की शुरुआत करते हैं तो लगाई जाने वाली राशि कुछ हजार रुपए होती है। ऐसे में संबंधित व्यक्ति को लगता है कि मामूली-सी राशि है, अगर यह डूब गई तो क्या बिगड़ जाएगा! उसके बाद वह दांव लगाता जाता है और राशि बढ़ाता जाता है। उसे शुरुआत में कुछ फायदा भी होता है। इससे उसे यह भ्रम हो जाता है कि मैं इस गेम में बहुत आगे तक जाऊंगा और करोड़ों रुपए जीतकर आराम से ज़िंदगी गुजारूंगा।

वास्तव में यह उस गेम ऐप की रणनीति का हिस्सा होता है, जिसके तहत 'शिकार' को शुरुआत में विजेता होने का एहसास कराया जाता है। जब दांव पर अच्छी-खासी राशि लग जाती है तो उसे शिकस्त मिलनी शुरू हो जाती है। इससे वह खोई हुई राशि को वापस पाने के लिए दांव लगाता है। इस बार फिर झटका लगता है तो वह दोबारा दांव लगाता है। उसकी हालत उस हारे हुए जुआरी जैसी हो जाती है, जिसने इस उम्मीद के साथ दांव लगाया था कि वह काफी धन जीतकर घर ले जाएगा, लेकिन जो कुछ उसके पास था, वह भी गंवा बैठा। मेवात में कई लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने ऑनलाइन गेम से करोड़पति बनने की उम्मीद में दूसरों से धन उधार लिया। यहां तक कि कीमती सामान और गहने भी गिरवी रख दिए। जब दांव उल्टा पड़ा तो करोड़पति बनने के ख्वाब चकनाचूर हो गए। साथ ही कीमती सामान और गहने भी डूब गए। इससे उन घरों में क्लेश और तनाव का माहौल है। लोग उस पल को कोस रहे हैं, जब उन्होंने पहली बार वह ऑनलाइन गेम खेलना शुरू किया था। इस साल जनवरी में एक ऐसे (पूर्व) बैंक अधिकारी का मामला चर्चा में रहा था, जिसने ऑनलाइन गेम खेलने के लिए ग्राहकों की एफडी तोड़कर दांव पर लगा दी थी। एक बड़े बैंक में अधिकारी रहते हुए उस शख्स पर ग्राहकों के हितों की रक्षा करने की जिम्मेदारी थी, लेकिन गेम की लत ने उसे बर्बाद कर दिया। उसने ग्राहकों के करोड़ों रुपए की एफडी तोड़कर वह राशि ऑनलाइन गेम में उड़ा दी। बाद में ग्राहकों ने शिकायत की तो मामले की जांच कराई गई, जिसमें यह सामने आया कि उक्त अधिकारी ने बैंक ही नहीं, बल्कि बैंक के खाताधारकों के साथ धोखाधड़ी एवं जालसाजी की और 52,99,53,698 रुपए के सार्वजनिक धन की हेराफेरी की। ईडी ने कार्रवाई करते हुए उस अधिकारी की अचल संपत्ति और जमा राशि जब्त की। एक खुशहाल परिवार ऑनलाइन गेम की लत के कारण तबाह हो गया। ऐसे गेम से भगवान बचाए।

ट्वीटर टॉक

लोकतांत्रिक व्यवस्था में विचारों के संस्कारो के साथ जब शिक्षक मजबूती से खड़ा होता है तो उस देश और समाज की तरक्की के नए रास्ते खुलते है। आज दिल्ली विश्वविद्यालय की किरोड़ीमल कॉलेज में 'होली मिलन समारोह' में शिक्षकों से संवाद हुआ।

-सतीश पूनिया

युवाओं और देश की सुरक्षा के साथ किए गए सबसे बड़े छल की स्कीम अग्निवीर के विरोध प्रदर्शन के दौरान बीकानेर में किया गया लाठीचार्ज दुर्भाग्यपूर्ण व भाजपा के भय का सबूत है। इस दमनपूर्ण व अलोकतांत्रिक कार्रवाई में घायल एनएसयूआई के क्रांतिकारी साथियों के संघर्ष को सलाम।

-अशोक गहलोत

बाबा खाटू श्याम जी के फाल्गुनी एकादशी लक्खी मेले की सभी श्रद्धालुओं और भक्तों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। बाबा खाटू श्याम जी सभी पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखें तथा देश व पूरे प्रदेश में सुख-समृद्धि, खुशहाली हो, ऐसी मनोकामना है।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

आलस्य का जंग

भगवान बुद्ध के पास नगर-श्रेष्ठी के पुत्र सुमंत और श्रमिक के पुत्र तरुण ने एक साथ प्रव्रज्या ली और दोनों भावपूर्वक संघ के नियमों का पालन करने लगे। कुछ दिनों बाद प्रधान भिक्षु ने दोनों की प्रगति की सूचना देते हुए बताया कि श्रेष्ठी-पुत्र अध्ययन में तो आगे है, लेकिन श्रम करने में तरुण श्रेष्ठ है। तथागत ने भिक्षु को बताया, 'श्रेष्ठी-पुत्र अभी जंग लगा हुआ पुर्जा है, उसका जंग धीरे-धीरे ही छूट पाएगा।' जब भिक्षु ने उनकी बात का तात्पर्य पूछा, तो तथागत बोले, 'सुमंत का जीवन लंबे समय तक आराम और आलस्य-प्रमाद में बीता है। आलस्य से मनुष्य जंग लगे औजार जैसा हो जाता है। दूसरी ओर श्रमिक-पुत्र तरुण शुद्ध औजार है, इसलिए खूब कर्म करता है। सुमंत को कठिन साधना करनी होगी, तभी उसके आलस्य का जंग छूट पाएगा और वह भी तरुण की तरह कर्मशील बन सकेगा।

सामयिक

पाक से क्यों खफा हैं इस्लामिक मुल्क?

आर.के. सिन्हा

पाकिस्तान में आजकल सिर्फ अंदरूनी हालात ही खराब नहीं हैं, उसके सामने कई गंभीर संकट और भी हैं। उसे उसके दो पड़ोसी देश, जो उसकी तरह से ही इस्लामिक देश हैं, उससे सख़्त नाराज हैं। पहले ईरान और अब अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। फिलहाल अफगानिस्तान और पाकिस्तान आमने-सामने हैं। दोनों मुल्कों क बीच सरहद पर झड़प भी हुई है। झड़प की शुरूआत पाकिस्तान की तरफ से विगत सोमवार को हुई थी। इसके जवाब में, अफगान तालिबान ने भी सीमा पर पाकिस्तानी चौकियों पर गोलीबारी की। ऐसे में सवाल है कि क्या दोनों देश युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं? पाकिस्तान के हमलों के बाद तालिबान ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि अफगानिस्तान की संप्रभुता पर किसी भी तरह के उल्लंघन के गंभीर परिणाम होंगे। इसके साथ ही तालिबान ने पाकिस्तान की नवगठित सरकार से दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को खतरे में डालने के लिए गैर-जिम्मेदाराना कार्यों की अनुमति नहीं देने का भी आग्रह किया। दरअसल पाकिस्तान में हाल के आतंकवादी हमलों को लेकर दोनों देशों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। पाकिस्तान का आरोप है कि हमले अफगानिस्तान की सरजमीं से किए गए थे। जबकि, तालिबान ने पाकिस्तान के इस दावे को गलत बताया है। आपको याद होगा कि बीते जनवरी के महीने में पाकिस्तान के आतंकवादियों के ठिकानों पर ईरान ने हमला बोला था। ईरान ने पिछली 16 जनवरी को पाकिस्तान में आतंकवादी समूह जैश अल-अदल के ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए थे। ईरान की सरकारी मीडिया के हवाले से कहा गया था कि हमले में मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। ईरान ने पाकिस्तान में बलूची आतंकी समूह जैश-अल-अदल के दो ठिकानों को मिसाइलों से निशाना बनाया था। ईरान ने आठ साल पहले सन 2016 में भी पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर मोर्टार दागे थे। इसलिए कहा जा सकता है कि ईरान पहले भी पाकिस्तान को निशाना बना चुका है। पाकिस्तान और ईरान के बीच 900 किलोमीटर की सीमा है। उधर, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच करीब 2400 किमी लम्बी अन्तराष्ट्रीय सीमा है। इसका नाम डूरण्ड रेखा है। दरअसल पाकिस्तान और अफगानिस्तान के संबंध तब से लगातार खराब होने लगे जब पाकिस्तान ने पिछले साल अपने देश से अवैध अफगानों को निकालने का सिलसिला शुरू किया। पाकिस्तान से रोज सैकड़ों अफगान अपने देश वापस लौट रहे हैं। पाकिस्तान की इस कार्रवाई पर हजारों अफगानिस्तानियों का कहना है कि वे गुजरे कई दशकों से पाकिस्तान में हैं। वे पाकिस्तान के नागरिकता भी ग्रहण कर चुके हैं। इसके बावजूद उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है।

यहां पर बड़ा सवाल यही है अपने को इस्लामिक संसार का नेता कहने वाले पाकिस्तान से इस्लामिक मुल्क ही खफा क्यों है? इस सवाल का सीधा सा उत्तर है कि पाकिस्तान के डीएनए में ही अपने पड़ोसियों के लिए संकट पैदा करना है। उसने भारत के खिलाफ क्या-क्या हथकंडे नहीं अपनाए। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 1948, 1965, 1971 में युद्ध छेड़े और बुरी तरह से मार भी खाई। जंग के मैदान में धूल में मिलने के बाद पाकिस्तान ने 1999 में करगिल में घुसपैठ की। तब भी उसका बहुत बुरा हश्र हुआ। पाकिस्तान के साथ दिक्क़त यही है कि वह बुरी तरह पिटने के बाद भी सबक नहीं लेता। उसे बार-बार पिटने की आदत सी हो गई है। फिलहाल वह ईरान और अफगानिस्तान से पिटने के लिये तैयार है। अब पाकिस्तान के बांग्लादेश से संबंधों की भी जरा बात कर लीजिए। 1971 तक बांग्लादेश हिस्सा था, पाकिस्तान का। अब दोनों जानी दुश्मन हैं। दोनों एक-दूसरे को फूटी नजर भी नहीं देख पाते। क्यों? बांग्लादेश ने 1971 के नरसंहार के गुनाहगार और जमात-ए-इस्लामी के नेता कासिम अली को फांसी पर लटकाया तो पाकिस्तान को तकलीफ होने लगी। बांग्लादेश ने साफ शब्दों में कह दिया कि वह पाकिस्तान की ओर से उसके आतंरिक मसलों में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा। दोनों मुल्कों के संबंधों में तल्खी को समझने के लिए इतिहास के पन्नों को खंगाल लेना सही रहेगा। शेरे-ए-बंगाल कहे जाने वाले मुस्लिम लीग के मशहूर नेता ए.के.फजल-उर- हक ने ही 23 मार्च,1940 को लाहौर के मिन्टो पार्क (अब जिन्ना पार्क) में मुस्लिम लीग के सम्मेलन में पृथक राष्ट्र पाकिस्तान का प्रस्ताव रखा था। उस तारीखी सम्मेलन में संयुक्त बंगाल के नुमाइंदों की बड़ी भागेदारी थी। वे सब भारत के मुसलमानों के लिए पृथक राष्ट्र की मांग कर रहे थे। सात साल के बाद 1947 में पाकिस्तान बना और फिर करीब 25 बरसों के बाद खंड-खंड हो गया। ईस्ट पाकिस्तान बांग्लादेश के रूप में दुनिया के मानचित्र पर सामने आता है। यानी पाकिस्तान से एक और मुल्क निकला। और, जो दोनों मुल्क कभी एक ही मुल्क के हिस्सा थे, अब एक-दूसरे की जान के प्यासे हो गए हैं। 1971 में जिस नृंशसता से पाकिस्तानी फौजों ने ईस्ट पाकिस्तान के लाखों लोगों का कत्लेआम किया था, उसको लेकर ही दोनों मुल्क लगातार आमने-सामने रहते हैं। मैं स्वयं इस नरसंहार का प्रत्यक्षदर्शी हूँ। मैं उस समय युद्ध संवाददाता के रूप में लगभग डेढ़ वर्ष भारतीय सेना के साथ बांग्लादेश के स्वतंत्रता आंदोलन में रहा था।बांग्लादेश में उस कत्लेआम के गुनाहगारों को लगातार साक्ष्य के आधार पर न्यायालय से दंड मिलता रहा है। यह बात पाकिस्तान को गले नहीं उतरती। पाकिस्तानी सीरियलों और नाटकों में बांग्लादेशियों को बेहद हिकारत से दिखाया जाता है। उन्हें दोयम दर्जे का इंसान बताया जाता है। अब समझ लें कि पाकिस्तान समाज कितनी बेशर्मी से बांग्लादेशी मुसलमानों का मजाक बनाता है। वैसे पाकिस्तान अपने को सारी दुनिया के मुसलमानों के पक्ष में खड़ा होने का दावा करता है।बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की भी पाकिस्तान से शिकायत रही है कि वह हर उस मौके पर बांग्लादेश सरकार को कोसता है जब वहां पर 1971 के मुक्ति संग्राम के गुनाहगारों को फांसी दी जाती है। यानी पाकिस्तान से सब नाखुश और नाराज हैं।

इस बीच, पाकिस्तान में तो आजकल हाहाकार मच हुआ है। महंगाई के कारण आम पाकिस्तानी दाने-दाने को मोहताज है। रमजान के महीने में लोग भारी कष्ट उठा रहे हैं। बेरोजगारी,अराजकता, कठमुल्लों और मोटी तोंद वाले सेना के अफसरों ने पाकिस्तान को तबाह कर दिया है। ये स्थिति दुखद और दुभार्ग्यपूर्ण है। पर इस स्थिति के लिए पाकिस्तान खुद ही जिम्मेदार है। उसने शिक्षा की बजाय सेना के बजट को बढ़ाया है। इसलिए वह लगातार गर्त में जा रहा है। उससे इस्लामिक देश भी संबंध बनाकर रखने को तैयार नहीं हैं।

– (लेखक पूर्व सांसद हैं)

मुद्दा

कब फांसी चढ़ेंगे नकली दवा के असली सौदागर?

ऋतुपर्ण दवे

मोबाइल : 8989446288

इसे व्यवस्थाओं की नाकामियाबी कहें या भ्रष्टाचार का खेल, लेकिन सच्चाई यही है कि इंसान की जान से बेपरवाह लोग, पैसों की हवस के आगे दरिन्दे बन मौत के सौदागर तक बन जाते हैं। कैंसर की नकली दवा बनाने वाले गिरोह के राष्ट्रीय राजधानी में पकड़े जाने के बाद लोग हैरान-परेशान हैं। यूं तो भारत में नकली दवाओं के खेल का सिलसिला लंबे वक्त से जारी है, जो रुकने का नाम नहीं ले रहा। इसका दूसरा पहलू यह भी कि इसे रोकने खातिर लंबे-चौड़े अमले पर भारी भरकम खर्च और सख्त कानूनों के बावजूद जारी रहना खुद में बड़ा सवाल है। नकली दवाओं के बेखौफ दरिन्दे दिल्ली जैसी जगह में बैठकर सबको धता बता धोखेबाजी को अंजाम दें और शासन-प्रशासन के नुमाइन्दे नक्कालों से सावधान धोखेबाजों से सावधान का राग अलापतें रहें तो अटपटा जरूर लगता है। दिल्ली पुलिस ने तमाम सबूतों के साथ कैंसर की नकली दवा बनाने वाले जिस गिरोह का पर्दाफाश किया उसमें 12 लोग शामिल हैं, हो सकता है कई और पुलिस की रडार पर हों जो बाद में शिकंजे में आएं। दुखद यह कि आरोपियों में दो जाने-माने कैंसर अस्पताल के कर्मचारी थे। निश्चित रूप से पूरा गैंग, सारी तैयारियों से इस काम में जुटा था जिसकी कई पर्तें खुलना बांकी हैं। आगे और खुलासों से संभव है कि ऐसे कई और गैंग बेनकाब होंगे जो देश-विदेश में जहां-तहां जड़ें जमाए हों। पिछले साल विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यू.एच.ओ.) ने भारत मे बिक रही कैंसर और लिवर की नकली दवाओं को लेकर चेताया था। कैंसर और लिवर की नकली दवाओं को नाम सहित उजागर कर जानकारी भी दी थी। नकली दवाओं के असली निर्माताओं ने भी दावा किया था कि उनके नाम व ब्रान्ड पर भारत में नकली दवाओं का असली खेल चल रहा है। तब तरह-तरह के सवाल लोगों के जेहन में आए कि क्या बाहर से नकली दवाओं की खेप आ रही है? कहीं किसी बड़े अंतर्राष्ट्रीय गिरोह की साजिश तो नहीं? लेकिन कुछ ठोस कार्रवाई होती दिखी नहीं।

शर्मनाक यह भी कि भारत के औषधि महानियंत्रक यानी ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डी.सी.जी.आई.) तक बेसुध रहे कि कैंसर तथा लिवर के नकली इंजेक्शन धड़ल्ले से और खुले आम कैसे बिक रहे हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. ने तो चेताया लेकिन यहां किसे होश आया? यह तो ठीक वैसा ही हुआ जैसे कोरोना का नकली रेमेडिसविर इंजेक्शन ने न जाने कितनों की जान ले ली और जिम्मेदार बेसुध रहे? डब्ल्यू.एच.ओ. की चेतावनी के बाद डी.सी.जी.आई. ने भी माना था कि देश में कैंसर में इस्तेमाल होने वाला इंजेक्शन एडसेट्रिस के आठ अलग-अलग नाम व प्रकार के नकली उत्पाद सहित लिवर की नकली दवा डिफिटेलियो भारतीय बाजार में मौजूद हैं। सवाल यही कि जानकर भी महकमे ने क्या किया?

यकीनन दिल्ली पुलिस ने काबिल-ए-तारीफ काम किया। लेकिन हैरानी है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को ड्रग कंट्रोलर की नकली दवाओं पर नजर रखने की हिदायत के बाद विभाग कितना चेता? कहां-कहां, क्या-क्या बड़ी कार्रवाई हुई? दिल्ली में पकड़े गए इस अकेले गिरोह ने दो सालों में ही करोड़ों रुपए की दौलत बनाई। अभी देश में न जाने कितने गिरोह पर्दे के पीछे होंगे? पैसों के भूखे इन नरपिशाचों की करतूतें रोंगटे खड़े करने वाली हैं। बेहद सुनियोजित तरीकों से अपने काम को अंजाम देता यह गिरोह कैंसर की दवा की खाली शीशी पांच हजार रुपए में खरीदता जिसकी कीमत 2.96 लाख रुपये तक होती। इनमें फ्लूकोनॉजोल जो कि एक एंटी फंगल दवा है जो करीब 100 रुपए में आती है भरता और इंजेक्शन में नकली दवाइयों को मिलाकर बाजारों में सप्लाई करता। यह दवा कीमोथेरेपी में उपयोग होती जो बेअसर होने के साथ जानलेवा भी रही।असली दवा की कीमत हजारों से लेकर लाखों रुपये तक होती। ये अपने नेटवर्क के जरिए नकली दवा सस्ते में जहां-तहां बेचते और लंबा मुनाफा कमाते। इस अकेले गैंग के पास से 89 लाख रुपये नकद, 18 हजार रुपए के डॉलर और चार करोड़ रुपए की 7 अंतरराष्ट्रीय और 2 भारतीय ब्रांडों की कैंसर की नकली दवाएं बरामद होना ही इनके बड़े नेटवर्क का संकेत है। जिसके तार भारत ही नहीं बल्कि चीन और अमेरिका तक फैले हैं। तीन महीने की जांच के बाद दिल्ली पुलिस की टीम ने 7- 8 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। रीफिलिंग और पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाली कई मशीनों के साथ बड़ी तादाद में खाली शीशियां बरामद की। यकीनन नकली दवा का असली खेल बेहद चिंताजनक है। ऐसे तमाम गिरोहों को बेनकाब कर लोगों की जान से खिलवाड़ रोकने के लिए सख्ती और सतर्कता जरूरी है। नकली दवा की पहचान का भी तरीका है। दवा पर दर्ज क्यूआर कोड स्कैन करते ही दवा का डिटेल मिल जाएगा। कोड नहीं होने पर नकली हो सकती है। कोड से दवा की जानकारी ड्रग विभाग की वेबसाइट पर मिलेगी जो मिलाई जा सकती है जो यहां सबके बस की बात नहीं।

अमेरिकन कैंसर सोसायटी के जाने-माने जर्नल ग्लोबल आंकोलॉजी के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2000 से 2019 के बीच भारत में कैंसर से 1 करोड़ 28 लाख से भी ज्यादा मौतें हुई। वहीं भारतीय नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम यानी एन.सी.आर.पी. के केवल दो वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि 2020 से 2022 के दौरान देश में 23 लाख 67 हजार 990 लोगों की मौत कैंसर के किसी न किसी प्रकार से हुई। भला कैसे पता चलेगा कि इनमें नकली दवा से कितनों की जान गई? शायद कभी नहीं। बड़ा सवाल यह कि हराम की कमाई के चक्कर में खुले आम धूल झोंकने वाले ये मौत के सौदागर कभी फांसी के फन्दे तक पहुंच पाएंगे? इन्हें नजर अंदाज करने वाले जिम्मेदारों पर भी क्या कभी फंदा कसेगा? यकीनन कैंसर जैसी घातक और दर्दनाक बीमारी झेल रहे किस्मत के मारे अधमरे लोगों की जिंदगी से खेलने वाला हर वो शख्स इस पाप का बराबर भागीदार है जिसे इस घिनौने खेल का पता था। आगे से लोगों को मौत देकर दौलत बटोरने का ऐसा घिनौना खेल नहीं होगा इसकी गारंटी कौन देगा?

नजरिया

आम चुनाव में अर्जुन की आंख चाहिए

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और चुनाव का माहौल गरमा रहा है। चुनावों की तारीखें घोषित किए जाने के साथ ही जैसी कि उम्मीद थी, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी और तेज हो गई। कौरव रूपी विपक्षी दल एवं पाण्डव रूपी भाजपा के बीच इस चुनाव में असली जंग सत्य और असत्य के बीच है। सत्ता पक्ष और विपक्ष की यह नोक-झोंक ही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है, यह जितनी शालीन एवं उग्र होगी, लोकतंत्र का यह महापर्व कुंभ उतना ही ऐतिहासिक एवं खास होगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है और उदार बहुदलीय राजनैतिक प्रणाली का जीवन्त उदाहरण है जिसकी वजह से चुनावों का समय एवं प्रचार विविधतापूर्ण, आक्रामक व रंग-रंगीला होना ही है मगर इसमें कहीं भी कड़वापन, उच्छृंखलता और आपसी रंजिश का पुट नहीं आना चाहिए।

इस बार के चुनाव में जहां भाजपा नेतृत्व अगले 20 वर्षों का विजन पेश कर रहा है, वहीं कांग्रेस नेतृत्व इसे लोकतंत्र बचाने का आखिरी मौका करार दे रहा है। यानी इन चुनावों का फलक पांच साल के काम के आधार पर अगले पांच साल के लिए जनादेश के सामान्य ट्रेंड तक सीमित नहीं रहा। यह चुनाव असल में आजादी के अमृतकाल यानी वर्ष 2047 के लक्ष्य को सुनिश्चित करने वाला है। इस चुनाव में सर्वाधिक चर्चा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके भावी देश-निर्माण के संकल्प की है। असल में तो इन चुनाव में भाजपा की जीत तो निश्चित मानी जा रही है, लेकिन वह अपने 400 के लक्ष्य को हासिल कर पाती है या नहीं? भाजपा इसके इर्द-गिर्द अपना अभियान चला रही हैं। जबकि विपक्ष जीत का दावा करते हुए भाजपा के इस बड़े लक्ष्य को हास्यास्पद बता रहा है, उनके प्रति अपनी नापसंदगी से परेशान है। भाजपा के पास बड़ा उद्देश्य है, जबकि विपक्ष भाजपा की काट करने के लिये भी प्रभावी मुद्दे नहीं तलाश पा रही है। भाजपा प्रचार में शामिल हैं – आर्थिक विकास, देश और विदेश में सशक्त राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, सांस्कृतिक पुनरुत्थान, नया भारत-सशक्त भारत, औद्योगिक क्रांति, दुनिया की महाशक्ति बनना, स्थिरता, शांति। विपक्ष इन ही बड़े उद्देश्यों की आलोचना कर रहा है। मोदी इन चुनावों के महानायक है, परिवर्तनकारी व्यक्ति हैं जो स्थिरता का वादा करते हुए वोट मांग रहे हैं। अपने आलोचकों के लिए, वह एक अत्यंत ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्ति हैं।

इस बार का आम चुनाव रोमांचक होने के साथ देश में बड़े परिवर्तन का कारण बनेगा। इस चुनाव में सभी पार्टियां सरकार बनाने का दावा पेश कर रही हैं और अपने को ही विकल्प बता रही हैं तथा मतदाता सोच रहा है कि देश में नेतृत्व का निर्णय मेरे मत से ही होगा। इस वक्त मतदाता मालिक बन जाता है और मालिक याचक। बस केवल इसी से लोकतंत्र परिलक्षित है। बाकी सभी मर्यादाएं, प्रक्रियाएं हम तोड़ने में लगे हुए हैं। जो नेतृत्व स्वतंत्रता प्राप्ति का शस्त्र बना था, वही नेतृत्व जब तक पुनः प्रतिष्ठित नहीं होगी तब तक मत, मतदाता और मतपेटियां सही परिणाम नहीं दे सकेंगी। आज देश को एक सफल एवं सक्षम नेतृत्व की अपेक्षा है, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि माने। आज देश को एक अर्जुन चाहिए, जो मछली की आंख पर निशाने की भांति भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराध, महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती आबादी, सरकारी खजाने का गलत इस्तेमाल, देश की सीमा-रक्षा आदि समस्याओं पर ही अपनी आंख गडाए रखें। इस दृष्टि से सबकी नजरे मोदी पर ही लगी हैं।

मोदी ही अर्जुन की मुद्रा में हैं जो मछली की आंख पर निशाना लगा सके। वे ही युधिष्ठिर है, जो धर्म का पालन करते हुए दिख रहे हैं। जो स्वयं को संस्कारों में ढाल, मजदूरों की तरह श्रम कर रहे हैं। वे आदर्शां एवं मूल्यों के साथ चुनावों में उतरे हैं, राजनीति की चकाचौंध में धृतराष्ट्र बने नेताओं के लिये वे एक चुनौती है। सभी विपक्षी दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है और परिवारवाद तथा व्यक्तिवाद की छाया है। कोई अपने बेटे को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है तो कोई अपने बेटे को मुख्यमंत्री के रूप में। किसी का पूरा परिवार ही राजनीति में है, इसलिए विरासत संभालने की जंग भी जारी है। ऐसे में मोदी ही सबसे प्रभावी नेता बन कर सामने आ रहे हैं। महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे पुराने मुद्दे भी उठाए ही जा रहे हैं, लेकिन वोटर के फैसले में इनकी कितनी भूमिका रहेगी यह अभी स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दो-दो यात्राओं से उपजे प्रभाव की परीक्षा भी इन्हीं चुनावों में होनी है। कुल मिलाकर, विपक्ष और सत्ता पक्ष कुछ भी कहे देशवासियों की जागरूक चेतना को देखते हुए यह तय माना जा सकता है कि आम चुनाव का यह लोकतांत्रिक पर्व एक बार फिर देश में लोकतंत्र की जड़ों को गहरा ही करेगा।

विपक्षी दलों ने देश-सेवा के स्थान पर स्व-सेवा में ही एक सुख मान रखा है। आधुनिक युग में नैतिकता जितनी जरूरी मूल्य हो गई है उसके चरितार्थ होने की सम्भावनाओं को इन विपक्षी दलों ने उतना ही कठिन कर दिया गया है। ऐसा लगता है मानो ऐसे तत्व पूरी तरह छा गए हैं। खाओ, पीओ, मौज करो।

सब कुछ हमारा है। हम ही सभी चीजों के मापदण्ड हैं। हमें लूटपाट करने का पूरा अधिकार है। हम समाज में, राष्ट्र में, संतुलन व संयम नहीं रहने देंगे। यही आधुनिक चुनावों का घोषणा पत्र है, जिस पर लगता है कि सभी विपक्षी दलों ने हस्ताक्षर किये हैं। भला इन स्थितियों के बीच उन्हें वास्तविक जीत कैसे हासिल हो? आखिर जीत तो हमेशा सत्य की ही होती है और सत्य इन तथाकथित राजनीतिक दलों के पास नहीं है। महाभारत युद्ध में भी तो ऐसा ही परिदृश्य था। कौरवों की तरफ से सेनापति की बागडोर आचार्य द्रोण ने संभाल ली थी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राष्ट्र धर्म से बड़ा कोई धर्म नहीं : दाती महाराज

हिंदू समाज को सभी से ऊपर उठकर धर्म के विषय में सोचना होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) की दिल्ली में प्रांतीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक संपन्न हुई । मार्गदर्शक मण्डल की बैठक में विभिन्न सम्प्रदायों के करीब 60 प्रमुख सन्तों ने देश की वर्तमान परिस्थितियों और प्रमुख विषयों पर गहन मंथन किया। सभी संतों और राष्ट्रीय संत सेवा एंड गौ रक्षा कल्याण परिषद के पदाधिकारियों ने आलोक कुमार को विहिप का अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर अपना आशीर्वाद और शुभकामनाएं दी। इस बैठक में संतों ने आह्वान किया कि सनातन धर्म पर हमले करने वालों के विरुद्ध जनजागरण के प्रयासों में तेजी लाई जाए ताकि 2024 के आम चुनाव में सनातन विरोधियों को जवाब दिया जा सके।

विहिप के मार्गदर्शक मंडल ने आम चुनाव से पहले सभी संतों, महामंडलेश्वर, आचार्यों से निवेदन किया कि वे राष्ट्र, सनातन धर्म से जुड़े सभी मुद्दों को लेकर देश की जनता के बीच में जाएं, ताकि हिंदू समाज को और अधिक जागरूक किया जा सके। बैठक में नागरिक संशोधन कानून (सीएए), सनातन पर हमले, धर्मांतरण और घर वापसी जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने बैठक में अपने विचार रखते हुए आह्वान किया कि सभी संत आगे बढ़कर घर वापसी की मुहिम को और तेजी से चलाएं। उन्होंने कहा कि हम सभी को यह ध्यान रखना होगा कि हिंदू समाज को खांचों में बांटा न जा सके। सबको जाति वर्ग से ऊपर उठकर हिंदू धर्म के आधार पर एक बड़े परिदृश्य में सोचना होगा। विहिप के दिल्ली प्रांत अध्यक्ष कपिल खन्ना ने बैठक में विहिप की ओर से सनातन धर्म और सेवा के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों के विषय मे जानकारी दी।

महामंडलेश्वर निजस्वरूपानन्द दाती महाराज ने इस अवसर पर कहा की भारत की अखंडता के सभी संतों को आगे आना चाहिए भारतीय सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाना और उसका सरक्षण करना यह हमारी जिम्मेदारी है विश्व हिंदू परिषद सहरानीय कार्य कर रहा है सभी संत हमेशा आपके साथ है राष्ट्र की उन्नति के लिए राष्ट्र धर्म से न कोई बड़ा था न बड़ा होने की संभावना है राष्ट्र हित से बड़ा कोई हित नहीं होता है। उन्होंने कहा की राष्ट्रीय संत सेवा एंड गौ रक्षा कल्याण परिषद के माध्यम से सामाजिक समरसता के विषय पर अभी 40 संगोष्ठी, सम्मलेन आयोजित कर चूका है और निरंतर जारी है और कहा की सामाजिक समरसता का मूलमंत्र समानता है, जो समाज में व्याप्त सभी प्रकार के भेदभावों एवं असमानताओं को जड़-मूल से नष्ट कर नागरिकों में परस्पर प्रेम एवं सौहार्द में वृद्धि तथा सभी वर्गों में एकता का संचार करती है। समरसता का आशय भी है कि संसार में विद्यमान चेतन-अचेतन जगत के समस्त घटकों को अपने समान समझना, आदर-सत्कार एवं प्रेम करना, क्योंकि ये सब स्व का ही विस्तार हैं।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे महामंडलेश्वर श्री जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि जिस तरह से तमाम राजनीतिक दल सनातन धर्म के विरुद्ध बयानबाजी कर रहे हैं ऐसे में सनातन धर्म के अस्तित्व को बचाने के लिए आम चुनाव से पहले हमें गांव-गांव, कस्बे कस्बे , शहर शहर जाकर हिंदू समाज को जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा की नागरिकता संशोधन विधेयक कोई पहला कानून नहीं है जो धर्म के आधार पर व्यवहार करता है, देश में पहले से ही मुस्लिम पर्सनल लॉ और वक्फ के कानून है जो मजहब के आधार पर व्यवहार करते है। उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव में जनता सनातन धर्म विरोधियों को जवाब दे देगी। इस बैठक में स्वामी जितेंद्रनन्द सरस्वती, महामंडलेश्वर निजस्वरूपानन्द दाती महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी शिवप्रेमानंद महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी हरिओमगिरी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी विद्यागिरी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी शेलेशानंद महाराज, सहति अनेक संत एवं विहिप के पदाधिकारी उपस्थित थे।

भारत दुनिया भर में सिख समुदाय की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध : जस्सी सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। एक प्रख्यात अमेरिकी सिख नेता का कहना है कि भारत सरकार ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह दुनिया भर में सिख समुदाय की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। 'सिख्स ऑफ़ अमेरिका' के नेता जस्सी सिंह हाल ही में भारत की यात्रा से लौटे हैं। सिख प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए सिंह ने नयी दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी। सिंह ने कहा कि वरिष्ठ भारतीय नेताओं के साथ हुई बैठक में उन्होंने इस बारे में चर्चा की कि कैसे सिख प्रवासी भारत की मदद कर सकते हैं और इसके विकास का हिस्सा बन सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें इस बारे में बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। विदेश मंत्री जयशंकर ने हमें बताया कि भारत सरकार सिख समुदाय की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, चाहे वे दुनिया में कहीं भी हों।

उन्होंने कहा, बैठक के दौरान हमने पंजाब में विकास और आर्थिक विकास के मुद्दे पर चर्चा की क्योंकि पंजाब में आतंकवाद के कारण बहुत नुकसान हुआ है। अमेरिका और कनाडा में रह रहे सिख समुदाय के एक वर्ग ने भारत में उनके साथ दुर्व्यवहार होने का आरोप लगाया था, लेकिन सिंह ने इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया ।

उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया, निश्चित तौर पर ऐसा नहीं है। इसमें कोई शक नहीं कि अन्य समुदायों की तरह सिखों के भी अपने मुद्दे हैं। सिखों को भारत के अन्य नागरिकों की तरह ही समान ही अधिकार प्राप्त हैं। सिंह ने कहा कि अमेरिका का सिख समुदाय पंजाब और विशेष रूप से अमृतसर के विकास में मदद करने के लिए तैयार है। उन्होंने अमृतसर के युवाओं के लिए 100 छात्रवृत्तियों का एलान किया। अमेरिका के सिख संगठन ने अमृतसर की दो सड़कों को स्वच्छ बनाने की जिम्मेदारी लेने का भी फैसला किया है।

एक सवाल के जवाब में सिंह ने अमेरिका में पूर्व भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू के भाजपा में शामिल होने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा, मैं उन्हें बधाई देता हूं और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। इतने अनुभवी और वरिष्ठ राजनयिक और सिख नेता का भाजपा में शामिल होना पार्टी के लिए अच्छी बात है। यह भाजपा के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। जस्सी सिंह ने अन्य स्थानों के अलावा मध्य प्रदेश में अपने गृहनगर इंदौर, पंजाब में अमृतसर और नई दिल्ली की यात्रा की। सिंह ने कहा, मैंने भारत के युवाओं में राष्ट्रवाद की भावना, गौरव और कुछ करने की उत्सुकता देखी है और इसके लिए उन्हें अवसर भी मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर भारत में रहना एक अद्भुत अनुभव है।

अफगानिस्तान के विद्यालयों में छात्राओं के बिना नया शैक्षणिक सत्र शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के विद्यालयों में बुधवार को लड़कियों के बिना नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुआ क्योंकि तालिबान ने छठी कक्षा से आगे की कक्षाओं में लड़कियों की पढ़ाई पर रोक लगा दी है। महिला शिक्षा पर रोक लगाने वाला अफगानिस्तान दुनिया का इकलौता देश है।

संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी के मुताबिक प्रतिबंध से 10 लाख से अधिक लड़कियां प्रभावित हुई हैं। एजेंसी का यह भी अनुमान है कि सुविधाओं की कमी और अन्य कारणों से तालिबान के कब्जे से पहले ही 50 लाख लड़कियां विद्यालय छोड़ चुकी थीं। तालिबान के शिक्षा मंत्रालय ने नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत एक समारोह के साथ की जिसमें महिला पत्रकारों को शामिल होने की अनुमति नहीं थी। संवाददाताओं को भेजे गए निमंत्रण में कहा गया है: बहनों के लिए उपयुक्त जगह की कमी के कारण, हम महिला पत्रकारों से माफी मांगते हैं।

बाइडन और ट्रंप ने अपने-अपने दलों के प्राइमरी चुनाव जीते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके प्रतिद्वंद्वी एवं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने अपने दलों के प्राइमरी चुनाव जीत लिए हैं जिससे इन दोनों नेताओं के बीच इस साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में फिर से मुकाबला होने की संभावना बढ़ गई है। दोनों ही नेता अपने-अपने दलों के संभाावित उम्मीदवार हैं। 77 वर्षीय ट्रंप और 81 साल के बाइडन ने मंगलवार को एरिज़ोना, इलिनोइस, कन्सास और ओहायो में जीत हासिल की। ट्रंप ने फ्लोरिडा में भी रिपब्लिकन प्राइमरी में जीत हासिल की जहां डेमोक्रेट अपने प्राइमरी चुनाव नहीं करा रहे हैं।

फ्लोरिडा में ट्रंप ने रिपब्लिकन प्राइमरी में सभी 125 डेलीगेट हासिल किए। दक्षिण कैरोलिना की भारतीय मूल की पूर्व गवर्नर निक्की हैली ने 14 प्रतिशत मत हासिल किए जबकि फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस को चार फीसदी मत मिले। हेली और डेसेंटिस दोनों ही राष्ट्रपति पद की दौड़ से हट गए हैं। ट्रंप फ्लोरिडा के मतदाता हैं और उन्होंने पाम बीच पर स्थित एक मनोरंजन केंद्र में मंगलवार को वोट डालने के बाद मुस्कुराते हुए पत्रकारों से कहा, मैंने डोनाल्ड ट्रंप को वोट दिया है। ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार ब्रायन ह्यूजेस ने कहा कि नतीजों पर पूर्व राष्ट्रपति का असर पूरी तरह से दिखा। उन्होंने कहा कि फ्लोरिडा में उनका असर नवंबर तक जारी रहेगा। एरिज़ोना में हेली ने आश्चर्यजनक रूप से 20 फीसदी मत हासिल किए। ट्रंप को 76.2 प्रतिशत वोट के साथ दांव पर लगे सभी 43 डेलीगेट हासिल हुए। ट्रंप के पासअब 1623 डेलीगेट और बाइडन के पास 2483 डेलीगेट हैं। इस बात की प्रबल संभावना है कि इस साल पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में बाइडन और ट्रंप फिर से आमने-सामने होंगे। 1956 के बाद ऐसा पहली बार होगा।

बाइडन ने नवंबर 2020 में हुए चुनाव में ट्रंप को हरा दिया था। लेकिन रिपब्लिकन नेता ने चुनाव नतीजों को चुनौती दी थी। वहीं, ओहायो में रिपब्लिकन सीनेट प्राइमरी में ट्रंप समर्थित कारोबारी बर्नी मोरेनो ने दो दावेदारों को हरा दिया जिनमें ओहायो के मुख्य निर्वाचन अधिकारी फ्रैंक लारोस और मैट डोलन शामिल हैं।

एक साल की पेटरनिटी लीव पर जाएंगे रणवीर सिंह

मुंबई/एजेन्सी

बीती फरवरी में दीपिका पादुकोण ने सोशल मीडिया पर अपने माँ बनने के समाचार को अपने प्रशंसकों के साथ साझा किया था। बताया गया कि सितम्बर के माह में दीपिका बच्चे को जन्म देंगी। रणवीर सिंह और

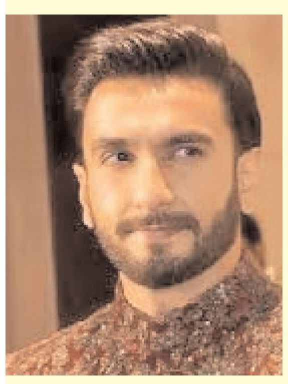

दीपिका पादुकोण की गिनती बॉलीवुड के मोस्ट लवेबल कपल में होती है। दोनों ही एक-दूसरे पर बेइंतेहा प्यार लुटाते नजर आते हैं। वे कभी सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्यार का इजहार करते हैं तो कभी पब्लिक प्लेटफॉर्म पर भी उनका प्यार जाहिर हो जाता है। कहने का मतलब ये है कि वे तमाम व्यस्तताओं के बावजूद प्यार का कोई मौका नहीं चूकते। हाल ही इस कपल ने अपने लाखों-करोड़ों फैंस को खुश होने का एक बहुत बड़ा कारण दे दिया। दरअसल वे शादी के 6 साल बाद 2 से 3 होने वाले हैं। उन्होंने 29 फरवरी को गुडन्यूज शेयर की थी। दोनों ने अपने इंस्टा हैंडल पर जॉइंट पोस्ट में एक पिक्चर नोट शेयर किया था। तस्वीर में ब्लू एंड पिंक दोनों कलर्स में छोटे ओनेसी, टोपी, जूते और गुब्बारे थे। इसमें बताया गया था कि उनका बेबी सितंबर में इस दुनिया में आएगा।

अब कपल के एक करीबी सूत्र ने 'जूम' को उनके बारे में जानकारी दी कि अब रणवीर, दीपिका के साथ रहने के लिए एक साल की पैटरनिटी लीव लेंगे।

दीपिका ने पहले ही सारी तैयारी कर ली थी। उन्होंने धीरे-धीरे अपना सारा काम आसान कर लिया था और लंबी पैटरनिटी लीव के लिए तैयार हो रही थीं। रणवीर की ऐसी कोई योजना नहीं थी, लेकिन 'बैजू बावरा' के लिए उनकी एक साल की डेट्स खाली होने के बाद उनके पास कोई और प्लान नहीं था। उन्होंने अब अगले साल 'डॉन 3', 'शक्तिमान' और आदित्य धर की एक्शन फिल्में शुरू होने से पहले कोई अंतरिम असाइनमेंट नहीं लेने का फैसला किया है। वे दीपिका और बच्चे के साथ समय बिताएंगे।

प्रियंका चोपड़ा रामलला के दर्शन करने पहुंचीं

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अपने पति सिंगर निक जोनस के साथ रामनगरी अयोध्या पहुंचीं। जहां वह अपने परिवार के साथ भगवान रामलला के दर्शन करेंगी।

अयोध्या पहुंची प्रियंका का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस के साथ बेटी मालती मैरी जोनस भी है। इसके अलावा प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा भी उनके साथ रामलला के दर्शन करने पहुंची हैं। बता दें कि प्रियंका चोपड़ा अपनी बेटी मालती के साथ मुंबई में एक इवेंट में शामिल होने के लिए भारत आई हैं। वीडियो में प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ट्रेडिशनल लुक में दिखाई दे रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा लेमन कलर की साड़ी में नजर आ रही हैं, वहीं पति निक जोनस ऑफ व्हाइट कलर के कुर्ता-पजामा में नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की मां मधु ने लाल कलर की साड़ी में पहनी हुई हैं।

सिल्वर स्क्रीन पर अश्वथामा का किरदार निभायेंगे शाहिद कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता शाहिद कपूर सिल्वर स्क्रीन पर 'अश्वथामा' का किरदार निभाते नजर आयेंगे। पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही फिल्म 'अश्वत्थामा द सागा कंटीन्यूज़' में शाहिद कपूर 'अश्वत्थामा' का किरदार निभाते नजर आयेगे।यह फिल्म महाभारत के अमर योद्धा अश्वत्थामा की कहानी पर रोशनी डालती है, जिनके बारे में माना जाता है कि वह आज भी हमारे बीच मौजूद हैं। पहले इस फिल्म में विक्की कौशल थे लेकिन शाहिद कपूर को अब लीड रोल में लिया गया है।इस फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपशिखा देशमुख ने अपने बैनर पूजा एंटरटेनमेंट के तहत किया है और सचिन रवि द्वारा निर्देशित है।

जैकी भगनानी ने कहा,हर प्रोजेक्ट जो हम करते हैं वह एंटरटेनमेंट से कहीं ज्यादा होते है, यह एक ऐसा अनुभव बनाने का प्रयास है जो दर्शकों के दिल और दिमाग में गहरी छाप छोड़ता है और हमेशा के लिए उनकी यादों का हिस्सा बन जाता है। बड़े मियां छोटे मियां के बाद मुझे एक अनोखी फिल्म करना था और तब यह फिल्म हमारे पास आयी यह उस कहानी पर एक मॉर्डन स्पिन है जिसे हम सभी जानते हैं और इस लीजेंड की व्याख्या हासिल करना एक खुशी की बात है।

निर्देशक सचिन रवि ने बताया,मेरे लिए, अमरता एक दिलचस्प कॉन्सेप्ट है जो ढेर सारी भावनाओं और ड्रामा की व्यापक रंगों को जगा देता है। महाभारत से अश्वत्थामा की कहानी, जिन्हें माना जाता है कि आज भी जीवित है, ने उनकी कथा में गहराई से जाने की मेरी इच्छा को प्रेरित किया। मेरा मकसद इस कहानी में जिंदगी भरना, उसे आज की टाइमलाइन में रखना और एक अमर आत्मा के जटिल मानसिकता को समझना कि वह उस दुनिया को कैसे देखता है जिसे उसने हजारों सालों तक देखा है। मैंने उनकी कहानी को एक एपिक स्केल एक्शन फिल्म की भव्यता के साथ पेश करने की कोशिश की। 'अश्वत्थामा: द सागा कंटीन्यूज' हिंदी के साथ- साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी।

फिल्म 'दो और दो प्यार' के कलाकारों का पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अप्लॉज़ एंटरटेनमेंट प्रस्तुत एलिप्सिस एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की फिल्म 'दो और दो प्यार' के मुख्य कलाकारों का पोस्टर रिलीज हो गया है। फिल्म दो और दो प्यार में विद्या बालन, प्रतीक गांधी, इलियाना डी'क्रूज़ और सेंथिल राममूर्ति नज़र आयेंगे। इस फिल्म को शीर्ष गुहा ठाकुरता ने निर्देशित किया है, बतौर निर्देशक यह उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म होगी। फिल्म दो और दो प्यार के मुख्य किरदारों का पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। विद्या बालन इस फिल्म में काव्या के किरदार में नज़र आएंगी जो पेशे से एक डेंटिस्ट हैं , वहीं प्रतीक गांधी फिल्म में अनी की भूमिका निभा रहे हैं जो एक लव स्ट्रक एंटरप्रेन्योर हैं। सैंथिल राममूर्ति - विक्रम के किरदार में हैं और इलियाना डिक्रूज़ के किरदार का नाम नोरा है जो फिल्म में एक एस्पायरिंग अभिनेत्री हैं। फिल्म 'दो और दो प्यार' 29 मार्च को रिलीज होगी।

पोस्टर के बाद जारी हुआ 'मिर्जापुर-3' का टीजर

मुंबई/एजेन्सी

प्रतिभाशाली अभिनेता पंकज त्रिपाठी और अली फजल की वेब सीरीज 'मिर्जापुर' के दो सीजन आ चुके हैं। ये दोनों ही सीजन दर्शकों के दिलों पर छा गए। फैंस को अब इस सीरीज के तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार है। इस बीच 'मिर्जापुर 3' का पहला लुक सामने आ गया है। मुंबई में मंगलवार (19 फरवरी) को आयोजित एक इवेंट में ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर कई फेमस वेब सीरीज को लेकर आधिकारिक घोषणा की गई है। प्राइम वीडियो ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्टस के वीडियो शेयर किए हैं।

इसमें 'मिर्जापुर' के तीसरे सीजन का फर्स्ट लुक आउट किया गया है। कुर्सी में लगी आग ये बया कर रही है कि इस बार भी इसकी पावर को हासिल करने के लिए खून-खराबा होगा।

अब इसका टीजर भी सामने आ गया है। इसमें 'कालीन भैया' और 'गुड्डु भैया' को देखा जा सकता है। वीडियो में 'मिर्जापुर 3' के कुछ सीन्स देख सकते है। इसमें 'कालीन भैया' एक शांत जगह पर खड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। वो कहते हैं, भूल तो नहीं गए हमें? इसके बाद आप देख सकते है कि कैसे 'गुड्डु भैया' और 'बीना' ने एक-दूसरे का हाथ थामे हुए है।

सीरीज से श्वेता त्रिपाठी, विजय वर्मा, ईशा तलवार की भी झलक देखने को मिली। इस टीजर को देखकर अंदाजा लगया जा सकता है कि 'मिर्जापुर' का तीसरा सीजन कितना धमाकेदार होने वाला है। दो दिन पहले अली फजल ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो डायलॉग बोल रहे हैं, शुरू हम मजबूरी में किए थे, अब मजा शुरू हम मजबूरी में किए थे, अब और भी ज्यादा मजा आने वाला है। आप तैयार हैं। कल। 19 मार्चा सबकुछ होने वाला है। सीरीज का पहला सीजन 2018 में वेबकास्ट हुआ था, जबकि 2020 में यह सीरीज दूसरे सीजन के साथ लौटी थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के जीतो चैप्टर ने स्थापना दिवस के साथ गर्ल्स होस्टल एवं एज्युकेशन सेन्टर काम्पलेक्स के निर्माण पूर्णाहुति का समारोह मनाया गया। इस मौके पर चेयरमैन अनिलकुमार जैन ने उपस्थित125 सदस्यों का स्वागत किया।

शांति के लिए परिवार में प्रेम, सौहार्द व सामंजस्य जरुरी : आचार्य महेन्द्रसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगावती। यहां के कोप्पल मनोवांछित पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि पहले परिवार के सभी सदस्य एक साथ भजन व भोजन करते थे और अपने सुख व दुख बांटते थे पर आज मोबाइल ने परिवार जनों के बीच की दूरियां बढ़ा दी है। लोग आपस में संवाद कम और मोबाइल पर बात ज्यादा कर रहे है। परिवार के लोगों में एक दूसरे का ध्यान रखने की भावना हो तो झगडे हो ही नहीं, परस्पर प्रेम बना रहना चाहिए। आज परिवार में हर व्यक्ति अपने अहम की लड़ाई लड़ रहा है। स्वार्थ की प्रवृति बढ़ गई है। कोई किसी के लिए त्याग नहीं करना चाहता इसलिए छोटी छोटीर बातों पर झगडा होता है जो कई बार गंभीर रूप ले लेता है। शांति के लिए परिवार में प्रेम, सौहार्द व सामंजस्य होना जरुरी है।

सूर्यनारायण मंदिर संचालन समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज का जे.पी. नगर में नवनिर्मित भगवान सूर्यनारायण मंदिर के संस्थापक सुनील शर्मा की अध्यक्षता में मंदिर परिसर में समाज सदस्यों की एक बैठक का आयोजन हुआ। इस मौकेपर मंदिर परिसर में नवनिर्मित कार्यालय का शुभारंभ सुनील शर्मा ने किया।

शर्मा द्वारा उपस्थित समाज बन्धुओं से विस्तृत विचार-विमर्श कर मंदिर व्यस्थाओं की देखरेख हेतु सर्वसम्मति से एक पंद्रह सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया गया। मनोनीत सदस्यों का सम्मान कर उन्हें नियुक्ति पत्र दिया गया। मनोनीत सदस्यों में पी. तेजराज शर्मा, सत्यनारायण, सुरेश शर्मा, श्यामसुंदर भोजक, जे.बाबूलाल, महेंद्र शर्मा, भंवरलाल, अशोक शर्मा, सुभाष शर्मा, राधाकिशन, पूरण शर्मा, रमेश शर्मा, हेमराज शर्मा, गोविंद शर्मा, दानमल भोजक को मंदिर व्यवस्था संचालन समिति का सदस्य मनोनीत किया गया।

जीतो हुब्बल्ली ने मनाया स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के जीतो चैप्टर ने स्थापना दिवस के साथ गर्ल्स होस्टल एवं एज्युकेशन सेन्टर काम्पलेक्स के निर्माण पूर्णाहुति का समारोह मनाया गया। इस मौके पर चेयरमैन अनिलकुमार जैन ने उपस्थित125 सदस्यों का स्वागत किया।

इस मौके पर होस्टल के चेयरमैन भंवरलाल जैन वप्रकाश कोठारी ने होस्टल के निर्माण की जानकारी दी।

इस मौके पर सिवाना म्युनिसिपल कार्पोरेशन के चेयरमै आचार्य रामनिवास उपस्थित थे। मुख्य सचिव प्रवीण चौधरी ने धन्यवाद दिया। इस मौके पर शरद मौमया, गौतम ओस्तवाल, वीरेन्द्र छेडा, पुरन नाहटा, अमृतलाल जैन, सोहन जैन, भरत पटवारी, आशीष नाहटा, राजन जैन, मनीष जैन, गीता छेड़ा, अंकित संकलेचा आदि उपस्थित थे।

हैदराबाद में बुधवार को के राजभवन में तेलंगाना के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन के रूप में कार्यभार संभाला।

झारखंड के राज्यपाल राधाकृष्णन ने तेलंगाना के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। झारखंड के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को यहां तेलंगाना के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया। तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे ने यहां राजभवन में आयोजित समारोह में राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, कैबिनेट मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति शरीक हुए। तमिलिसाई सौंदरराजन के इस्तीफे के बाद राधाकृष्णन को तेलंगाना के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

पदभार ग्रहण करने के बाद अपने संदेश में राधाकृष्णन ने उन्हें तेलंगाना के राज्यपाल के रूप में सेवा करने का अवसर देने के लिए राष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया। लोकसभा सदस्य रहे राधाकृष्णन दो जून 2014 को अस्तित्व में आए तेलंगाना के तीसरे राज्यपाल हैं। राधाकृष्णन से पहले तमिलिसाई सुंदरराजन और ईएसएल नरसिम्हन राज्य के राज्यपाल रह चुके हैं। संयोगवश, तीनों का संबंध तमिलनाडु से है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के अखंड भारत खादी महासंगठन द्वारा बुधवार को रवीन्द्र कला क्षेत्र में आयोजित खादी उत्सव एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में महिला साधिकाओं को पुरस्कार दिया गया। संगठन की अध्यक्षा निवेदिता, समाजसेवी महेंद्र मुणोत, ममता देवराज, सर्वोत्तम शेट्टी सहित अनेक अतिथि उपस्थित थे।

केआरएस रोड स्थित सीरवी मंदिर में चंग की थाप कर थिरके पुरुष व महिला श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहाँ की केआरएस रोड पर स्थित आईमाता मंदिर के प्रांगण में आईजी गैर मंडल द्वारा होलिका त्यौहार को लेकर प्रतिदिन गैर नृत्य किया जा रहा है।

इस दौरान चंग की थाप पर सभी गैरिओं ने परम्परिक नृत्य किया साथ ही महिलाओं ने भी ढोल की थाप पर नृत्य किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग नृत्य देखने के लिए एकत्र हुए। गैर मंडल के अध्यक्ष चैनाराम परिहार ने बताया की इस वर्ष भद्रा होने के कारण रात 11 .15 को होलिका दहन किया जाएगा तथा अगले दिन सोमवार सुबह नन्हें बच्चों की ढूंढन का आयोजन होगा।

साध्वी दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चन्दापुरा गौशाला बुद्धिहाल में कामधेनू ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रवीण जैन, शारदा चौधरी, मधु तातेड़, सुशीला भंसाली, कलाबेन जैन ने साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कर्नाटक जाट समाज ट्रस्ट बल्लारी का हुआ गठन, समाज में उत्साह व्याप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बल्लारी। शहर के कर्नाटक जाट समाज ट्रस्ट का 17 वर्ष के बाद आधिकारिक रुप से गठन हुआ। ट्रस्टियों के अथक प्रयास व सहयोग से ट्रस्ट का विधिवत गठन हुआ जिससे पूरे समाज में खुशी की लहर फैल गई। ट्रस्ट में संस्थापक अध्यक्ष हीराराम गोदारा, अध्यक्ष बाबूलाल सारण, उपाध्यक्ष रामनारायण बरकिया, सचिव भल्लाराम मूढ, संयुक्त सचिव अचलाराम सारण, कोषाध्यक्ष तेजाराम बटेर, संगठन मंत्री केसाराम भाम्भू, सहायक संगठन मंत्री अन्नाराम मुंडण, मीडिया समन्वयक देवेन्द्रसिंह चौधरी सहित अन्य ट्रस्टी के रुप में जेताराम लेघा, पन्नाराम गोदारा, बुलेश सारण, दिनेश भोगियान के साथ अन्य सदस्य शामिल है। ट्रस्ट विकास व जाट समाज के उत्थान के लिए संस्थापक अध्यक्ष हीराराम गोदारा ने 11 लाख रुपए की पहली सहयोग राशि दान दी। अन्य सदस्यों ने भी सहयोग की अपील की।

भारत में बढ़ रही है असमानता, सबसे अमीर एक प्रतिशत आबादी के पास 40 प्रतिशत संपत्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। भारत में 2000 के दशक की शुरुआत से आर्थिक असमानता लगातार बढ़ रही है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022-23 में देश की सबसे अमीर एक प्रतिशत आबादी की आय में हिस्सेदारी बढ़कर 22.6 प्रतिशत हो गई है। वहीं संपत्ति में उनकी हिस्सेदारी बढ़कर 40.1 प्रतिशत हो गई है। 'भारत में आमदनी और संपदा में असमानता, 1922-2023: अरबपति राज का उदय' शीर्षक वाली रिपोर्ट कहती है कि 2014-15 और 2022-23 के बीच शीर्ष स्तर की असमानता में वृद्धि विशेष रूप से धन के केंद्रित होने से पता चलती है। यह रिपोर्ट थॉमस पिकेटी (पेरिस स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स एंड वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब), लुकास चांसल (हार्वर्ड कैनेडी स्कूल एंड वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब) और नितिन कुमार भारती (न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी और वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब) द्वारा लिखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 2022-23 तक सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों का आय और संपदा में हिस्सा ऐतिहासिक उच्चस्तर क्रमश: 22.6 प्रतिशत और 40.1 प्रतिशत पर था। भारत की शीर्ष एक प्रतिशत आमदनी हिस्सेदारी दुनिया में सबसे अधिक है। यह दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और अमेरिका से भी अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया कि शुद्ध संपत्ति के नजरिये से भारतीय आयकर प्रणाली प्रतिगामी नजर आती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में आर्थिक आंकड़ों की गुणवत्ता काफी खराब है और हाल ही में इसमें गिरावट देखी गई है। इसमें कहा गया है कि भारत में सबसे अमीर एक प्रतिशत आबादी का आमदनी में हिस्सा ऊंचे स्तर पर है।

पटना में बुधवार को आर्ट एंड क्राफ्ट कॉलेज के छात्र होली के त्योहार से पहले रंगों से खेलते हुए।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु जीतो लेडीज विंग द्वारा 31 अप्रैल को आयोजित होने वाले 'अहिंसा रन' का बैनर एवं पोस्टर का अनावरण स्टॉर ऑफ मैसूरु व मैसूरु मित्रा के प्रधान सम्पादक केबी गणपति व विक्रम मुतन्ना ने किया। इस मौक़े पर जीतो मैसूर के चेयरमैन कांतिलाल जैन, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, कोषाध्यक्ष विनोद बाकलीवाल, जीतो मैसूर लेडीज विंग चेयरपर्सन मोना भटेवरा, सचिव रजनी डाकलिया, सहचेयरपर्सन सपना गाँधी आदि उपस्थित थे ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

सिर्फ़ हुड़दंग है

ना कहीं राग है ना कहीं रंग है,
बेसुरे लोग हैं साज़ बेढंग है।

है शरारत निगाहों में चारों तरफ़,
जुर्म है ,चीख है, सिर्फ़ हुड़दंग है।

चाहकर तितलियों को बचा ना सका,
ख़ुद के हालात पर बागवां दंग है।

काफ़िला ख़ुशबुओं का कहीं खो गया,
बाग में काँपता गुल का हर अंग है।

रंगरेजों की धुँधली हुई पुतलियाँ,
इन दिनों पिंजरे में क़ैद सारंग है।

गुल्सितां के लिए वक़्त के सामने,
पैरवी के लिए सिर्फ़ 'नवरंग' है।

डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

जयराजन परिवार और चंद्रशेखर के बीच संबंधों के आरोप लगने के बाद सियासी पारा चढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के संयोजक ई.पी जयराजन के परिवार और भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर की कंपनी के बीच कारोबारी रिश्ते होने के आरोपों को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। इस बीच, जयराजन की पत्नी की शिकायत के आधार पर कांग्रेस के एक स्थानीय नेता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उनकी तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ की गई है।

वहीं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन के एलडीएफ संयोजक पर नए आरोप लगाने से मामले ने तूल पकड़ लिया है। सतीशन ने कहा कि जयराजन ने केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर के साथ अपने परिवार के व्यापारिक संबंध होने की बात मानते हुए स्वीकार किया है कि भाजपा नेता की कंपनी से जुड़े एक रिसॉर्ट में उनकी पत्नी की हिस्सेदारी है।

सतीशन ने कहा, मैंने दावा किया था कि उनके (जयराजन के) परिवार के चंद्रशेखर से व्यापारिक संबंध हैं, जिससे उन्होंने शुरू में इनकार किया था। अब, उन्होंने स्वीकार किया है कि चंद्रशेखर की कंपनी से जुड़े एक रिसॉर्ट में उनकी पत्नी की हिस्सेदारी है। इसलिए, मैंने अपनी विश्वसनीयता साबित कर दी है। उन्होंने कहा कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) को यह बताना होगा कि पार्टी के एक वरिष्ठ सदस्य के भाजपा नेता के साथ व्यापारिक संबंध कैसे हैं। दूसरी ओर, चंद्रशेखर ने सवाल किया कि उनकी पत्नी और जयराजन के बीच व्यावसायिक संबंध को माकपा-भाजपा गठजोड़ के रूप में कैसे देखा जा सकता है। सतीशन ने यह भी कहा कि उनके पास चंद्रशेखर की कंपनी द्वारा जारी की गई तस्वीरें हैं, जिसमें जयराजन के परिवार के सदस्यों को कंपनी के प्रबंधन सदस्यों के तौर पर देखा जा सकता है।

इससे पहले दिन में, एलडीएफ संयोजक जयराजन ने सतीशन पर गंदी राजनीति करने का आरोप लगाया। जयराजन ने आरोप लगाया कि 26 अप्रैल को राज्य में होने वाले लोकसभा चुनाव में तिरुवनंतपुरम निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार चंद्रशेखर के साथ उनकी पत्नी इंदिरा की मुलाकात की तस्वीरों से छेड़छाड़ की गई, जिसमें सतीशन का हाथ है। जयराजन की पत्नी ने तस्वीरों से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए तिरुवनंतपुरम जिला कांग्रेस समिति (डीसीसी) के सदस्य के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

हैदराबाद का छात्र अमेरिका में लापता, परिवार को फिरौती के लिए फोन आया

हैदराबाद/दक्षिण भारत। अमेरिका में पढ़ाई कर रहे हैदराबाद के एक छात्र के सात मार्च से लापता होने की खबर है। छात्र के परिवार ने हालांकि फिरौती के लिए फोन आने का दावा किया है। छात्र के परिवार ने कहा कि यहां नाचाराम के रहने वाले मोहम्मद अब्दुल (25) मई, 2023 में क्लीवलैंड विश्वविद्यालय से आईटी में 'मास्टर्स' करने के लिए अमेरिका गये थे और क्लीवलैंड में ही रह रहा था। अब्दुल के पिता मोहम्मद सलीम ने कहा कि उनके बेटे ने आखिरी बार उनसे सात मार्च को बात की थी और तब से वह अपने परिवार के संपर्क में नहीं है और उनके बेटे का मोबाइल फोन भी बंद है। छात्र के परिवार के अनुसार हालांकि 19 मार्च को एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था, जिसने दावा किया कि अब्दुल का कथित तौर पर मादक पदार्थ बेचने वाले एक गिरोह ने अपहरण कर लिया है और उसे रिहा करने के लिए 1,200 अमेरिकी डॉलर की मांग की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com